अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 91 लखनऊ, मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

ईडी ने कफ सिरप मौत मामले में श्रीसन फार्मा के सात ठिकानों पर की छापेमारी

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कफ सिरप से हुईं मौतों से जुड़े मामले में सोमवार को श्रीसन फार्मा के चेन्नई स्थित ठिकानों और तमिलनाडु ड्रग कंट्रोल विभाग के अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने यह छापेमारी धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने जिन ठिकानों पर छापेमारी की है, उनमें तमिलनाडु औषधि नियंत्रण कार्यालय (ड्रग कंट्रोल विभाग) के शीर्ष अधिकारियों के आवास भी शामिल हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के खिलाफ दर्ज पुलिस शिकायतों का संज्ञान लेते हुए धन शोधन विरोधी कानून के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज होने के बाद की है।

उप्र में मिलावटी तेल व मिठाइयां जब्त

लखनऊ। त्योहारों के मौसम में मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश ने राज्यव्यापी अभियान चलाया है। आयुक्त डॉ. अजय कुमार के निर्देशन में चल रहे न्यायिकता सप्ताह अभियान (8 से 17 अक्टूबर) के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में मिलावटखोरी पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत अब तक 11 बड़ी कार्रवाइयों में लगभग 1.75 करोड़ मूल्य के खाद्य पदार्थ जब्त व नष्ट किए गए हैं। विभाग ने बताया कि एक लाख लीटर से अधिक खाद्य तेल, मिठाइयाँ, खोया, नमकीन, रिफाइंड तेल व अन्य खाद्य सामग्री बरामद की गई है। डॉ कुमार के मुताबिक मुख्य कार्यवाहियों में कानपुर नगर में 35727 लीटर खाद्य तेल जब्त कर 10 क्विंटल नकली सरसों तेल नष्ट किया गया।

गाजा में हमास की कैद से रिहा सात इजराइली बंधक स्वदेश पहुंचे, जश्न का माहौल

गाजा पट्टी/तेल अवीव। गाजा में युद्धविराम समझौते के अनुरूप आतंकवादी समूह हमास की कैद से रिहा सात इजराइली बंधक स्वदेश पहुंच गए। हमास ने इन्हें रेडक्रॉस को सौंपा था। रेडक्रॉस के अधिकारियों ने इनको इजराइल पहुंचाकर आईडीएफ को सौंपा। हमास 13 बंधकों को कुछ देर बाद दक्षिणी गाजा में छोड़ेगा। रेडक्रास को सौंपे गए सात बंधकों में गली बर्मन, ज़िव बर्मन, एतन अब्राहम मोर, ओमरी मिरान, मतन अंगरेस्ट, अलोन ओहेल और गिल्बोआ-दलाल शामिल हैं। इस बीच इनके परिवारों के घरों पर भारी भीड़ जमा हो गई है। परिवारजन भावुक हैं।

मुख्यमंत्री ने इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन को दी मंजूरी

- विशेषज्ञ सेल और सैटेलाइट ऑफिस स्थापित होंगे- पांच बड़े शहरों में स्थापित होंगे सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को सम्पन्न इन्वेस्ट यूपी शासी निकाय की पहली बैठक में प्रदेश के औद्योगिक निवेश ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दी।

इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन के तहत टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल एवं इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सर्विस सेक्टर जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेल गठित किए जाएंगे। साथ ही मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस स्थापित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से घरेलू और वैश्विक निवेशकों से सीधा संवाद स्थापित कर उत्तर प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन कार्यालयों के संचालन में पारदर्शिता, दक्षता और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पुनर्गठन का उद्देश्य इन्वेस्ट यूपी को अधिक कार्यकुशल, विशेषज्ञता-आधारित और निवेशक-केंद्रित संस्था के रूप में विकसित करना है। बैठक में 11 महाप्रबंधक/सहायक महाप्रबंधक पदों पर कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। साथ ही, दो संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (पीसीएस संवर्ग) को प्रतिनियुक्ति पर तैनात करने तथा भूमि बैंक प्रकोष्ठ गठित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें दो पीसीएस अधिकारी (उपजिलाधिकारी/अपर जिलाधिकारी स्तर) तैनात होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया ढांचा इन्वेस्ट यूपी को एक 'एकल निवेश सुविधा एजेंसी' के रूप में सशक्त बनाएगा, जो न केवल निवेश आकर्षित करेगी बल्कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक उनकी सक्रिय निगरानी भी सुनिश्चित करेगी। उन्होंने निर्देश दिया कि इस ढांचे को त्वरित प्रभाव से लागू किया जाए और प्रत्येक प्रकोष्ठ का कार्यक्षेत्र स्पष्ट रूप से परिभाषित हो, ताकि निवेश संवर्धन की दिशा में समन्वित और परिणामोन्मुख व्यवस्था विकसित हो सके।

बैठक में बताया गया कि बीते कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-25 में लगभग 4,000 नई फैक्टरियां स्थापित हुईं, जिससे कुल संख्या लगभग 27,000 तक पहुँच गई है। वर्ष 2022-23 तक प्रतिवर्ष औसतन 500 नई इकाइयाँ स्थापित हो रही थीं, जिनमें अब कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म' मंत्र के सफल क्रियान्वयन से राज्य के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में आए सकारात्मक परिवर्तन का प्रमाण है। बैठक में निवेश प्रोत्साहन और सुविधा व्यवस्था की समीक्षा की गई। बताया गया कि फॉर्च्यून 1000 सूची की 814 कंपनियों को अकाउंट मैनेजर आवंटित किए गए हैं। अब तक 50 नए एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके हैं तथा 280 से अधिक कंपनियों से संवाद प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशक इकाइयों को भूमि, सब्सिडी आदि के साथ-साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए भी संवाद बढ़ाया जाए। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश अब नीतिगत प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि 'ग्राउंड लेवल डिलीवरी' का उदाहरण बन चुका है।

उन्होंने कहा कि निवेश मित्र पोर्टल 3.0 के माध्यम से आवेदन, स्वीकृति और प्रोत्साहन की प्रक्रिया को और सरल किया जा रहा है, जिससे 30 फीसदी तक प्रक्रिया समय और 50फीसदी तक दस्तावेजी औपचारिकताओं में कमी आएगी। पोर्टल में सिंगल साइन-ऑन, डायनेमिक एप्लीकेशन सिस्टम, एआई आधारित चैटबॉट, थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएँ शामिल की जा रही हैं, जो निवेशकों के अनुभव को और अधिक सुगम बनाएंगी।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों को निर्देश दिया कि वे मासिक लक्ष्य निर्धारित करें और स्वीकृत परियोजनाओं की 'लेटर्स ऑफ कम्फर्ट' जारी करने की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूरी करें।

उप्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में निर्बाध और उच्च गुणवत्ता युक्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारों के दौरान किसी भी क्षेत्र में ट्रिपिंग या बिजली कटौती की शिकायत नहीं आनी चाहिए। सोमवार को शक्ति भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समीक्षा बैठक में अध्यक्ष ने लेसा के मुख्य अभियंताओं से सवाल किया कि मौसम में लोड कम होने के बावजूद ट्रिपिंग की शिकायतें क्यों आ रही हैं। उन्होंने गोमती नगर क्षेत्र में बार-बार बिजली बाधित होने पर नाराजगी जताई और वहां के अधिशासी अभियंता एवं एसडीओ को स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। डॉ. गोयल ने कहा कि अधिकारी क्षेत्र में निकलें और उपभोक्ताओं से सीधा फीडबैक लें। उन्होंने निर्देश दिया कि हर फीडर का लोड चेक किया जाए, ट्रांसफार्मर और लाइनों की नियमित पेट्रोलिंग हो, ताकि कहीं कोई तकनीकी समस्या उत्पन्न न हो।

उच्च न्यायालय ने ग्राम सभा भूमि के अतिक्रमण पर राज्यव्यापी कार्रवाई का दिया आदेश

- कहा, निष्क्रियता के लिए प्रधानों, लेखपालों और तहसीलदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। तालाबों, चरागाहों और अन्य सार्वजनिक उपयोगिता की सम्पत्तियों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण को समाप्त करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण आदेश में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पूरे उत्तर प्रदेश में कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

इस आदेश में कहा गया है कि ग्राम सभा की भूमि पर अतिक्रमण की सूचना देने या उसे हटाने में प्रधानों, लेखपालों और राजस्व अधिकारियों की निष्क्रियता आपराधिक विश्वासघात के समान है। न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की एकल पीठ ने अपने 24 पृष्ठ के आदेश में न केवल 90 दिनों के भीतर राज्य भर में सार्वजनिक भूमि या सार्वजनिक उपयोगिता के प्रयोजनों के लिए आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया है, बल्कि कानून के अनुसार कार्य करने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ विभागीय और आपराधिक कार्यवाही करने करने का भी आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रधान और लेखपाल सार्वजनिक सम्पत्ति के संरक्षक हैं। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि 'तालाब (बाबली)' या अन्य सार्वजनिक उपयोगिता वाली भूमि के रूप में दर्ज भूमि को उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 की धारा 28-ए और 28-बी के तहत गठित भूमि प्रबंधक समिति द्वारा ट्रस्ट में रखा जाता है। इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 67 को उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियम, 2016 के नियम 66 और 67 के साथ पढ़ा जाए तो ग्राम पंचायत की सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने, उसके दुरुपयोग और गलत कब्जे से बचाने तथा बेदखली के बाद उस पर कब्जा बहाल करने का प्रावधान है।

न्यायालय ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में प्रधान और सचिव के रूप में लेखपाल कानूनी रूप से ऐसी सम्पत्ति की रक्षा करने और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियम, 2016 के अनुसार किसी भी अतिक्रमण की सूचना तुरंत तहसीलदार को देने के लिए बाध्य हैं। न्यायमूर्ति गिरि ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसा करने में उनकी विफलता महज प्रशासनिक चूक नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे के लिए 'षड्यंत्र और उकसावे' के समान है।

न्यायालय ने कहा, ह्लयदि कोई सूचना नहीं दी जाती है या देरी से सूचना दी जाती है तो भूमि प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अर्थात ग्राम प्रधान और सचिव अर्थात लेखपाल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी क्योंकि वे सम्पत्ति के संरक्षक हैं।ह्व न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि भूमि प्रबंधक समिति के अध्यक्ष होने के नाते ग्राम प्रधान को अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहने पर पंचायत राज अधिनियम की धारा 95(1)(जी)(द्वद्वद्व) के तहत कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले में न्यायालय ने पाया कि मिर्जापुर के ग्रामीणों ने एक तालाब पर अतिक्रमण कर लिया था और उसे हटाने के लिए 2006 की धारा 67 के तहत कोई कार्रवाई नहीं की गई। उनकी निष्क्रियता के बाद, याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का रुख किया। ऐसे कृत्यों के पारिस्थितिक और संवैधानिक निहितार्थों पर प्रकाश डालते हुए कोर्ट ने कहा कि तालाबों, झीलों और अन्य प्राकृतिक जलाशयों जैसे जल निकायों पर अतिक्रमण से गंभीर पारिस्थितिक असंतुलन और पर्यावरणीय क्षरण होता है। ये जल निकाय भूजल स्तर को बनाए रखने, जैव विविधता को सहारा देने और एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं। निजी या व्यावसायिक उपयोग के लिए उन पर अवैध कब्ज़ा या उनका रूपांतरण प्राकृतिक जल चक्र को बाधित करता है।

आईआरसीटीसी केसः बिहार चुनाव से पहले लालू परिवार को बड़ा झटका

लालू समेत सभी 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की मुश्किलें सोमवार को उस समय बढ़ गईं जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने आईआरसीटीसी होटल टेंडर घोटाला मामले में उनके और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव समेत सभी 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीए एक्ट) विशाल गोगने ने आज मामले की सुनवाई की। इसमें बिहार के पूर्व रेल मंत्री पर भ्रष्टाचार, आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। उनकी पत्नी राबड़ी देवी और पुत्र तेजस्वी यादव पर भी षड्यंत्र और धोखाधड़ी सहित कई आरोप तय हुये हैं। अदालत ने कहा कि 27 अक्टूबर से 7 नवंबर तक दिन-प्रतिदिन के आधार पर इस मामले में अभियोजन पक्ष के साक्ष्य दर्ज किए जाएंगे। सीबीआई ने 5 जुलाई 2017 को लालू यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का आरोप है कि 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में श्री यादव और उनके परिजनों ने एक निजी फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया। आरोपियों में आईआरसीटीसी के पूर्व अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। आरोप है कि रेल मंत्री रहते हुए लालू प्रसाद यादव ने रांची और पुरी स्थित दो रेलवे होटलों (बीएनआर होटलों) को लीज पर देने का ठेका, मेसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड (एसएचपीएल) के विजय कोचर और विनय कोचर को देने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। सीबीआई के अनुसार, लालू यादव ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए और आईआरसीटीसी अधिकारियों की मिलीभगत से कोचर बंधुओं को अनुचित लाभ पहुंचाया। इस 'षड्यंत्र' के तहत, कोचर बंधुओं ने पटना में एक प्राइम लोकेशन की जमीन श्री लालू यादव के करीबी सहयोगी और आरजेडी के राज्यसभा सांसद प्रेमचंद गुप्ता की कंपनी को बेच दी। बाद में, यह कंपनी (डिलाइट मार्केटिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड-डीएमसीपीएल, जो अब एलएआरए प्रोजेक्ट्स एलएलपी है) और इसके साथ वह प्राइम लैंड, लालू प्रसाद यादव के परिवार (राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव) के पास बेहद कम कीमत पर हस्तांतरित हो गई।

मोदी ने गाजा शांति को समर्थन देते हुए इजरायली नागरिकों की रिहाई का स्वागत किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाजा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शांति प्रयासों को समर्थन देते हुए सोमवार को हमास की कैद से सभी इजरायली बंधकों को रिहा किए जाने का स्वागत किया। अपनी पोस्ट में उन्होंने इस रिहाई को बंधकों के परिजनों, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजेमिन नेतन्याहू के साहस, संकल्प और प्रयासों की सराहना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्लहम दो साल से ज़्यादा समय तक बंधक बनाए रखने के बाद सभी बंधकों की रिहाई का स्वागत करते हैं।

विकसित भारत के अग्रदूत बनें युवक मंगल दल : योगी आदित्यनाथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश न केवल जनसंख्या के लिहाज से सबसे बड़ा राज्य है, बल्कि प्रतिभाशाली युवाओं से भरा प्रदेश भी है, जो खेल, संस्कृति और नवाचार के क्षेत्र में 'विकसित भारत' के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है और इस दिशा में 'विकसित उत्तर प्रदेश' अभियान को अपार जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री सोमवार को लखनऊ के इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा उत्सव-2025 और यूथ पार्लियामेंट-2025 के विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और टैबलेट प्रदान कर सम्मानित कर रहे थे।

कनाडाई समकक्ष से बोले जयशंकर

'पूरक अर्थव्यवस्था और विविधता संबंधों का आधार'

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोमवार को अपनी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद के साथ द्विक्षीय वार्ता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मुलाकात में सकारात्मक सोच से आगे बढने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी सहयोग को दोबारा पटरी पर लाने के लिए काम करने और दोनों प्रधानमंत्रियों की अपेक्षाओं को पूरा करने की है। उन्होंने कहा, जब हम कनाडा को देखते हैं, तो हम एक पूरक अर्थव्यवस्था देखते हैं, हम एक और खुला समाज देखते हैं, हम विविधता और बहुलवाद देखते हैं और हमारा मानना है कि यही एक घनिष्ठ, स्थायी और दीर्घकालिक सहयोग ढांचे का आधार है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना ने पकड़ी रफ़्तार

रेल मंत्री ने किया बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन का निरीक्षण

एजेंसी

नवसारी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत निर्माणाधीन बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन का सोमवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने निरीक्षण किाय। इस अवसर पर वलसाड के सांसद धवल पटेल और गणदेवी के विधायक नरेश पटेल भी उपस्थित रहे। मंत्री ने स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य, ट्रैक बिछाने और परियोजना की समग्र प्रगति की समीक्षा की।

बिलिमोरा शहर जो अपने आम के बागानों के लिए प्रसिद्ध है, उसी प्रेरणा से स्टेशन का फसाड तैयार किया गया है। स्टेशन का डिज़ाइन शहर की प्राकृतिक सुंदरता और स्थानीय पहचान को प्रतिबिंबित करता है। स्टेशन के आंतरिक हिस्सों और प्लेटफ़ॉर्म को पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन के साथ डिज़ाइन किया गया है। फॉल्स सीलिंग को एंटी-वाइब्रेशन हैंगर से लगाया गया है ताकि तेज गति से गुजरती ट्रेनों के कंपन का असर स्टेशन की फिटिंग्स पर न पड़े।

स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। इसमें वेटिंग लाउंज, नर्सरी, स्वच्छ शौचालय, रिटेल आउटलेट, लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी सुविधाएं शामिल हैं। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और बच्चों वाले परिवारों की सुविधा के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। स्टेशन परिसर में हरियाली बढ़ाने के लिए पौधारोपण किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए अलग पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ ज़ोन, बसों, कारों और दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग तथा ईवी पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है। स्टेशन को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के मानकों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। इसमें जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा दक्षता, लो-फ्लो सैनिटरी फिटिंग्स, कम तापमान प्रवेश वाले ग्लास, और पर्यावरण-अनुकूल पेंट जैसी विशेषताएँ शामिल हैं।

नवसारी जिले के केसली गांव में अंबिका नदी के किनारे स्थित यह स्टेशन अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है– बिलिमोरा रेलवे स्टेशन और बस डिपो दोनों छह किमी की दूरी पर हैं, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-360 मात्र 2.5 किमी दूर है। स्टेशन का कुल निर्मित क्षेत्रफल 38,394 वर्ग मीटर है, जिसमें ग्राउंड/कंसोर्स लेवल और प्लेटफ़ॉर्म लेवल दो स्तर हैं। प्लेटफ़ॉर्म की लंबाई 425 मीटर है और यहां दो प्लेटफ़ॉर्म तथा चार ट्रैक बनाए गए हैं। रेल और प्लेटफ़ॉर्म स्लैब कास्टिंग का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एवं प्लम्बिंग (एमईपी) कार्य तेजी से प्रगति पर हैं।

बिलिमोरा स्टेशन पर आरसी ट्रैक बेड का निर्माण पूरा हो चुका है और रेल लेइंग कार (आरएलसी) की मदद से अस्थायी ट्रैक बिछाने का काम चल रहा है। यह तकनीक 200-मीटर वेल्डेड रेल पैनलों को कुशलता से स्थापित करने में मदद करती है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम हो जाता है। 320 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेनों के सुचारु संचालन के लिए अत्याधुनिक सर्वेक्षण तकनीकों और मल्टी-लेवल वैरिफिकेशन प्रक्रियाओं का उपयोग किया जा रहा है।

बिलिमोरा स्टेशन में दो लूप लाइनें हैं, जिनमें चार 1:18 टर्नआउट्स मूवेबल क्रॉसिंग्स के साथ और दो 1:18 क्रॉसओवर्स शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पांच कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने आमजन से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं का समाधान किया। जनता दर्शन में फरियादियों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने चॉकलेट दी।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को जन-अपेक्षाओं के अनुरूप उनकी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में बुलंदशहर से आए एक सीआरपीएफ जवान ने पीड़ा बताई।

मुख्यमंत्री योगी ने मामले के समाधान केद लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। विकास से विश्वगुरु भारत का मार्ग प्रशस्त हो रहाः योगीमुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नया उत्तर प्रदेश आज देश के लिए पर्यटन से परिवर्तन की प्रेरणा बन गया है। अयोध्या धाम का दीपोत्सव, ब्रज का रंगोत्सव और काशी की देव दीपावली जैसे उत्सव हमारी विरासत को समृद्धि और संस्कृति को शक्ति में बदल रहे हैं। इसी का परिणाम है कि 2016 में जहां 21.5 करोड़ पर्यटक आए थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 64.9 करोड़ तक पहुंच गई। राष्ट्रीय पर्यटन की दृष्टि से उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी वर्ष 2016 में 13.1 फीसदी थी, जो 2023 में बढ़कर 18.9 फीसदी तक पहुंच गई। यही है सांस्कृतिक पुनर्ज़ागरण का अमृतकाल, जो विरासत से विश्वास, विश्वास से विकास और विकास से विश्वगुरु भारत का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

ऑटो सर्विस सेंटर में लगी भीषण आग, लाखों की मोटरसाइकिलें जली

लखनऊ। लखनऊ में एक ऑटो सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई। इसमें रखी मोटरसाइकिलें, टायर और मोबिल ऑयल जल गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम करीब 1 घंटे तक आग बुझाती रही। दुर्घटना रविवार रात 12 से 1 बजे के बीच की है। बख्शी का तालाब इलाके में नहर रोड तिवारी चौराहा स्थित अंगद ऑटो सर्विस सेंटर में आग लगी। आग लगने से आसपास के लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड की बीकेटी यूनिट को 9454418651 पर सूचना दी। मौके पर दो गाड़ियां पहुंचीं। करीब 1 घंटे तक मशक्कत करते रहने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। एफएसओ बीकेटी ने बताया बीकेटी के कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि तिवारी चौराहा के पास एक दुकान से तेज धुआं निकल रहा है। दो गाड़ियां वहां पहुंचीं। टीम ने देखा कि अंगद पुत्र नन्हेलाल की अंगद ऑटो सर्विस सेंटर दुकान में आग तेजी से फैली है।

दलित वोट के लिए अखिलेश ने बदली रणनीति मायावती ने बढ़ाई सपा-भाजपा की टेंशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सपा और बसपा के बीच वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन हुआ था

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर राजधानी लखनऊ में जनसभा करके भाजपा और सपा की टेंशन बड़ा दी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में दमदारी से उतरने का संकेत दे दिया है। 22% दलित वोटर पर पहले बीजेपी और सपा अपना दावा ठोक रहे हैं। लेकिन मायावती के सक्रिय होने से दोनों पार्टियों के लिए 2027 की राहत अब कठिन हो गई है। ऐसे में अखिलेश यादव ने अपने नेताओं को दलित में अपनी पकड़ मजबूत करने के संदेश दिए हैं। कांशीराम के परिनिर्वाण पर हुई रैली के बाद से समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने न केवल भाजपा-बसपा के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया, बल्कि यह भी कहा कि आकाश आनंद की जरूरत भाजपा को ज्यादा है। यह बयान इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि आकाश आनंद, बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे और उत्तराधिकारी के रूप में देखे जाते हैं। सपा और बसपा के बीच वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन हुआ था, जिसके बाद से अखिलेश यादव और मायावती एक-दूसरे पर सीधा हमला करने से बचते रहे। लेकिन अब सपा प्रमुख का यह रुख दिखा रहा है कि पार्टी बहुजन समाज पार्टी के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोलने की तैयारी में है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सपा को पता है, 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता तक पहुंचने के लिए दलित वोट निर्णायक भूमिका निभाएंगे। कभी बसपा का यह परंपरागत वोट बैंक रहा है, लेकिन भाजपा ने हाल के चुनावों में इसमें सेंध लगाई। वहीं, सपा ने 2024 लोकसभा चुनाव में दलित वोटों में अच्छी पकड़ दिखाई। इसी के चलते अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को दलित समाज के बीच सक्रिय रहने और अत्याचार की घटनाओं को जोर-शोर से उठाने का निर्देश दिया है। हाल ही में रायबरेली में वाल्मीकि युवक की हत्या का मामला इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। हालांकि, आकाश आनंद पर की गई अखिलेश की टिप्पणी पर भाजपा की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर मदरसों में लगेगी विज्ञान प्रदर्शनी : दानिश आज़ाद अंसारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती 15 अक्टूबर 2025 के अवसर पर उत्तर प्रदेश के समस्त मदरसों में विज्ञान प्रदर्शनी एवं संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने प्रमुख सचिव को पत्र के माध्यम से बताया कि इस कार्यक्रम को वृहद रूप से मनाए जाने उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि बढ़ाना और डॉ. कलाम जी के वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जीवन मूल्यों से उन्हें प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर सभी मदरसों में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें छात्र-छात्राएं अपने वैज्ञानिक मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत करेंगे। साथ ही डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्राप्त महान उपलब्धियों पर आधारित

संगोष्ठियों का भी आयोजन किया जाएगा। राज्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए तथा विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन हर विद्यार्थी के लिए प्रेरणास्रोत है। विज्ञान, तकनीक और मानवता के प्रति उनका दृष्टिकोण राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक मार्गदर्शक है।

अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी को बताया घुसपैठिया तो बिफरी भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ को घुसपैठिया बताने वाले बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई ने पलटवार किया है। भाजपा ने कहा है कि अखिलेश यादव मसखरी कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश की छवि मसखरे की बन गई है। अखिलेश यादव ने क्या संविधान नहीं पढ़ा,संघीय ढांचे को नहीं समझते। श्री त्रिपाठी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने हर दिल तक घुसपैठ की है । विकास की योजनाओं से जोड़कर और जनता का जीवन स्तर ऊपर उठाकर हर घर तक पहुँचे हैं । गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी को घुसपैठिया बताया है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री उत्तराखंड से हैं, उन्हें वहां भेज देना चाहिए, लेकिन ये सवाल केवल योगी पर नहीं रुकता। दरअसल योगी आदित्यनाथ का जन्म उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी पहचान गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में बनाई।

भगवान तथागत के अवशेष शान्ति, करूणा व आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- बुद्ध की करूणा, दया और क्षमा की शिक्षा बहुत प्रासंगिक: केशव

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने काल्मिकिया गणराज्य, रूस स्थित ट्रोइत्स्कोये खुरुल मठ में पूज्य भिक्षुगण को संबोधित किया तथा भगवान बुद्ध की विरासत की भावना के प्रतीक के रूप में मठ के मुख्य मठाध्यक्ष को मंगोलियाई भाषा में मूल्यवान कंजूर भेंट किया। केशव प्रसाद मौर्य ने एलिस्ता, काल्मिकिया गणराज्य, रूस स्थित राष्ट्रीय काल्मिकिया रिपब्लिकन संग्रहालय में बोधिचित्त प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। इस अवसर पर भारत और रूस के बौद्ध धर्मावलंबियों के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ, जिसमें काल्मिक बौद्धों के केंद्रीय आध्यात्मिक प्रशासन और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के बीच एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता भारत और रूस के बीच स्थायी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत करता है और दोनों राष्ट्रों के बीच संवाद एवं सहयोग का पुल बनकर वैश्विक सद्भाव एवं करुणामय विश्व की साझा दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।उप मुख्यमंत्री व प्रतिनिधि मण्डल के साथ काल्मिकिया के प्रमुख लोगो के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुयी, जिसमे भगवान तथागत बुद्ध के सन्देशो व उपदेशों कीअन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिकता व महत्व पर प्रकाश डाला गया। काल्मीकिया मे एक साक्षात्कार मे उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा

भगवान तथागत बुद्ध की करूणा, दया और क्षमा की शिक्षा आज के परिपेक्ष्य मे भी बहुत प्रासंगिक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2014 मे जब से देश की बागडोर संभाली है तब से उन्होने विश्व के बड़े से बड़े मंच से भी खड़े होकर यह कहा कि हमने संसार को भगवान तथागत बुद्ध को दिया, युद्ध नही दिया।कहा कि बुद्ध की शरण मे जाने से शान्ति है, प्रगति है, आध्यात्मिक उन्नति भी है। कहा कि आज वह देख रहे हैं कि काल्मीकिया मे तो कई शताब्दियों पूर्व भगवान तथागत बुद्ध का सन्देश आ चुका और आज यहां पूरी तरह काल्मिकिया गणराज्य बुद्धमय, बौद्धमय हो गया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दुनिया भर के अन्दर भगवान तथागत बुद्ध के अनुयायियो की संख्या बढ़ेगी, क्योंकिशान्ति, प्रगति, क्षमा और आध्यात्मिक उन्नति का रास्ता भगवान तथागत बुद्ध के उपदेशों, सन्देशों, उनकी शिक्षा व उनके जीवन से मिलता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान तथागत के पवित्र अवशेष शान्ति, करूणा व आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक है, यह अवशेष केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक ही नही, बल्कि यह भारत की सास्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। यह शान्ति करूणा और मानवता की साझी विरासत के शाश्वत प्रतीक है।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के प्रदर्शनी पर गहरी भावनाएँ व्यक्त की हैं। काल्मिकिया में लोगों की भक्ति और श्रद्धा अद्भुत है अनेक लोग भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन से अभिभूत हैं। यह एक अत्यंत आध्यात्मिक और आनंदमय अनुभव है, जो उनके अब तक के प्रमुख बौद्ध स्थलों के दर्शन से भी अधिक हृदयस्पर्शी है। भगवान बुद्ध की करुणा और शांति की शिक्षाएँ आज की वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों ल्हमने दुनिया को बुद्ध दिया है, युद्ध नहींङ्क को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि काल्मिकिया जैसे क्षेत्र भगवान बुद्ध के संदेश का सजीव उदाहरण हैं, जहाँ उनके अनुयायियों की संख्या विश्वभर में निरंतर बढ़ रही है।रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने इस विशिष्ट सांस्कृतिक आयोजन पर चर्चा की, जो बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत और रूस के संबंधों को और मजबूत बना रहा है। उन्होंने भारत और रूस के काल्मिकिया, बुर्यातिया और तूवा के बीच आध्यात्मिक संबंध को रेखांकित किया, जहाँ बौद्ध धर्म प्रमुख आस्था है। यह आयोजन दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हो रहा है।

लक्ष्मीकांत ने की पुलिस कर्मियों की घोषणाओं को लागू करने की मांग

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने उत्तर प्रदेश सरकार से पुलिस कर्मियों के हित में की गई घोषणाओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग की है। डॉ. बाजपेयी ने इस संबंध में प्रदेश के प्रमुख सचिव (गृह) को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें जानकारी मिली है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुलिस कर्मियों के लिए कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई थीं, लेकिन अब तक उन्हें लागू नहीं किया गया है। उन्होंने पत्र में इन घोषणाओं का विवरण देते हुए बताया कि वर्दी वार्षिक भत्ता 3000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये करने, सिग्नल वार्षिक भत्ता 2000 रुपये करने, मोटरसाइकिल भत्ता 500 रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा कि ये घोषणाएं पुलिस कर्मियों के मनोबल और कार्यकुशलता को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थीं, इसलिए इन्हें शीघ्र लागू किया जाना आवश्यक है। उन्होंने प्रमुख सचिव (गृह) से अपील की है कि यदि उक्त घोषणाएं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई थीं, तो उनके अविलंब क्रियान्वयन पर विचार किया जाए ताकि पुलिस बल को इनका लाभ मिल सके।

हंगरी में भारतीय समुदाय से मिले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना

लखनऊ/बुडापेस्ट। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने बुडापेस्ट स्थित अमृता शेरगिल सांस्कृतिक केंद्र में हंगरी में रह रहे भारतीय समुदाय से भेंट की। इस अवसर पर भारत के राजदूत श्री अंशुमन गौर एवं काउंसिल के चेयरमैन भी उपस्थित रहे। श्री महाना ने उत्तर प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने राज्य में औद्योगिक निवेश, आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था और पर्यटन के क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर 'उत्तर प्रदेश की प्रगति' पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसे उपस्थित भारतीय समुदाय ने अत्यंत रुचि और गर्व के साथ देखा। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि ल्वसुधैव कुटुम्बकम्ङ्क की भावना के अनुरूप हम सबको एक साथ आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने के बजाय सहयोग की भावना से कार्य करेंगे, तभी एक परिवार जैसा भाव समाज में स्थापित होगा। भारतवंशी जहां भी हैं, वे अपनी मेहनत, ईमानदारी और परिश्रम से न केवल स्वयं का बल्कि देश का भी नाम रोशन करते हैं। पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की छवि में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन आया है। वैश्विक स्तर पर भी भारत का सम्मान और प्रभाव निरंतर बढ़ा है। आज विश्वभर के देशों में भारतीय नागरिकों को आदर और सम्मान की दृष्टि से देखा जा रहा है। हंगरी में रह रहे भारतीय नागरिकों को इस देश के प्रति निष्ठा और प्रतिबद्धता रखनी चाहिए, साथ ही भारत, उसकी संस्कृति और विरासत से भी आत्मिक जुड़ाव बनाए रखना चाहिए।

रालोद की बैठक में बनी पंचायत चुनाव को लेकर रणनीति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

रालोद हमेशा बना किसानों, नौजवानों ग्रामीण जनता की आवाजः उज्ज्वल

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के सूबाई दफ्तर में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर डॉ कुलदीप उज्ज्वल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक बैठक हुई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। डॉ. कुलदीप उज्जवल ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव केवल स्थानीय निकाय का चुनाव नहीं बल्कि यह लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का माध्यम है। यह चुनाव उस भारत की आत्मा को स्वर देता है जो गांवों में बसती है। पंचायत स्तर पर सत्ता का विकेन्द्रीकरण ही सच्चे लोकतंत्र की नींव है। जब गांव सशक्त होंगे तभी प्रदेश और देश मजबूत होगा। यह चुनाव एक प्रकार से विधानसभा चुनाव का मिनी संस्करण होता है, जो जनता की नब्ज को समझने का सबसे बड़ा माध्यम है। पंचायत चुनावों में जीत केवल सत्ता का प्रश्न नहीं, बल्कि विचारों की स्वीकृति का प्रतीक है। रालोद का उद्देश्य केवल सीटें जीतना नहीं, बल्कि गांव-गांव में न्याय, समानता और विकास की भावना को पहुंचाना है। राष्ट्रीय लोकदल हमेशा किसानों, नौजवानों, ग्रामीण जनता की आवाज बना है। आज समय की मांग है कि गांवों में स्वच्छ राजनीति की नींव रखी जाए। हम ऐसे प्रत्याशी उतारेंगे जो जनसेवा को राजनीति का आधार मानते हों, जिनका चरित्र पारदर्शी हो और जो गांव के हर वर्ग के बीच सम्मान प्राप्त करते हों। रालोद इस भूमिका को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निभाएगा ताकि पंचायतें सच में जनता की सरकार बन सकें।

उन्होंने बताया कि रालोद ने पंचायत चुनाव की रणनीति को लेकर प्रदेशभर में मण्डलवार बैठकों का कार्यक्रम तय किया है। पहली तैयारी बैठक 30 अगस्त को लखनऊ में सम्पन्न हुई थी। इसके बाद हस्तिनापुर क्षेत्र की बैठक मेरठ में तथा रूहेलखण्ड क्षेत्र की बैठक मुरादाबाद में की जा चुकी है। आज अवध क्षेत्र की बैठक लखनऊ में आयोजित की गई, जिसमें संगठन की मजबूती, उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया और बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों, मजदूरों और नौजवानों की आवाज है। हमारी राजनीति सत्ता नहीं, सेवा पर आधारित है। पंचायत चुनाव संगठन के लिए परीक्षा का अवसर है जहाँ हर कार्यकर्ता को अपनी भूमिका निभानी होगी। रालोद का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर गांव-गांव में पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को समझाए, यही सच्ची राजनीति है।

लखनऊ में युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ। लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग तिराहे के पास सोमवार को एक युवक ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल आग बुझाकर उसकी जान बचा ली। झुलसे युवक को सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। पुलिस के अनुसार युवक की पहचान बाराबंकी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के उजरवारा पुरवा निवासी शिवम कुमार वर्मा (30 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह मानसिक तनाव में था। उसकी गर्लफ्रेंड ने शादी से इनकार कर लिया था और उसकी शादी शिवम के दोस्त सौरभ मिश्रा से तय हो गई थी। इसी बात को लेकर शिवम के दोस्तों से उसका विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। चार्जशीट दाखिल होने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से वह पुलिस कार्रवाई से नाराज था। इसी गुस्से में वह लखनऊ पहुंचा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने की कोशिश कर रहा था। विक्रमादित्य मार्ग तिराहे के पास पहुंचते ही उसने खुद को आग लगा ली। मौके पर मौजूद बंदरियाबाग चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आदित्य सिंह और पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाई और युवक को सिविल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि शिवम के हाथ और पैरों के निचले हिस्से झुलस गए हैं। वह इस समय बोलने की स्थिति में नहीं है। परिवार के लोगों को सूचना दे दी गई है और वे बाराबंकी से लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने मामला विवाद और रंजिश से जुड़ा पाया है।

लखनऊ से लेकर बनारस तक फैला है आईटी नेटवर्क

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- योगी सरकार दे रही युवाओं के सपनों को उड़ान

लखनऊ। पहले उत्तर प्रदेश का नाम सुनते ही लोग कृषि और पारंपरिक उद्योगों की बात करते थे लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदृष्टि और सशक्त नीतियों ने धारणा बदल दी है। आज लखनऊ, कानपुर और नोएडा जैसे शहरों में आईटी पार्क्स की जगमगाहट नई कहानी कह रही है। यूपी अब सिर्फ भारत का हृदय नहीं बल्कि डिजिटल भारत का मस्तिष्क बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री का कहना है कि सूचना प्रौद्योगिकी केवल तकनीक नहीं, परिवर्तन की शक्ति है। सीएम योगी के इसी सूत्रवाक्य को आगे बढ़ते हुए प्रदेश के आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने हर युवा को अवसर देने और उत्तर प्रदेश को भारत का सबसे बड़ा आईटी हब बनाने की दिशा में ठोस प्रयास प्रारंभ किए हैं।2015 में जहां प्रदेश का आईटी निर्यात केवल 15,000 करोड़ था, वहीं आज यह आंकड़ा 75,000 करोड़ से अधिक पहुंच चुका है। यह केवल एक आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि उन हजारों युवाओं की मेहनत और योगी सरकार के तकनीकी विजन की सफलता का प्रतीक है। योगी सरकार की सूचना प्रौद्योगिकी नीति 2017-2022 ने निवेशकों के लिए दरवाजे खोले हैं। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया, पेटीएम, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, मैक इंडिया जैसी दिग्गज कंपनियों ने प्रदेश में निवेश कर भरोसे की नई मिसाल कायम की। परिणामस्वरूप 5,584 करोड़ का निवेश और 53,000 रोजगार अवसर सृजित हुए। नई आईटी एवं आईटी जनित सेवा नीति-2022 के तहत दो नई परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया गया है, जिनसे 900 युवाओं को रोजगार मिलेगा। वहीं 48 करोड़ रूपये से अधिक निवेश वाली तीन परियोजनाएं मंजूरी के इंतजार में हैं।योगी सरकार ने आईटी और आईटीईएस क्षेत्र को ष्उद्योग का दर्ज़ाष देकर इतिहास रच दिया। अब आईटी कंपनियों को औद्योगिक श्रेणी की भूमि औद्योगिक दरों पर मिल रही है। फैसले से निवेशक आत्मविश्वास के साथ उत्तर प्रदेश को अपना ठिकाना बना रहे हैं। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया एसटीपीआई के सहयोग से नोएडा, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, आगरा में आईटी पार्क्स और एसटीपीआई केंद्र संचालित हो रहे हैं। अब यह रौशनी वाराणसी, बरेली और गोरखपुर की ओर बढ़ रही है, जहां नए केंद्र बन रहे हैं। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि छोटे शहर भी डिजिटल अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में शामिल होंगे। युवाओं ने कभी सोचा नहीं था कि अपने शहर में बड़ी आईटी कंपनियों मर काम करने का मौका मिलेगा। योगी सरकार की नीति ने उनकी इच्छा पूरी की है। आज ये युवा अपनी प्रतिभा से न सिर्फ अपनी पहचान बना रहे हैं बल्कि प्रदेश को नई पहचान दे रहे हैं।

अयोध्या ऐप के माध्यम से दुनियाभर के श्रद्धालु प्रज्ज्वलित कर सकेंगे 'एक दीया राम के नाम'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- श्री अयोध्याजी तीर्थ विकास परिषद की एक नई पहलघर बैठे ही विश्वभर के लोग कर सकेंगे दीप प्रज्ज्वलित
- अयोध्या दीपोत्सव वैश्विक स्तर पर लोगों को जोड़ने वाला बना आयोजनः पर्यटन मंत्री

लखनऊ। भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या दिव्यता और भक्ति के आलोक से एक बार फिर जगमगाने को तैयार है। दीपोत्सव-2025 के भव्य आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस वर्ष आयोजन में 26 लाख से अधिक दीयों के प्रज्ज्वलित करने और 2100 श्रद्धालुओं के सामूहिक महाआरती के दो नए विश्व कीर्तिमान स्थापित किए जाएंगे, जिसका साक्षी देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालु बनेंगे। वहीं, जो भक्त प्रकाश पर्व का हिस्सा नहीं बन पाएंगे, उनके लिए श्री अयोध्याजी तीर्थ विकास परिषद ने भावनाओं को जोड़ने वाली एक अभिनव डिजिटल पहल कर 'एक दीया राम के नाम' की शुरुआत की है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को दी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि 'एक दीया राम के नाम' ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण कर श्रद्धालु वर्चुअली दीप प्रज्ज्वलित कर प्रभु श्रीराम के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित कर सकते हैं। साथ ही, अपने प्रियजनों के लिए मंगलकामनाएं भेज सकते हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या दीपोत्सव अब वैश्विक स्तर पर लोगों को जोड़ने वाला आयोजन बन गया है। 'एक दीया राम के नाम' जैसी पहल ने दीपोत्सव को वैश्विक स्तर पर और समावेशी बनाया है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि श्री रामजन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, वहीं

अनेक श्रद्धालु प्रतिभाग करने के इच्छुक हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 'दिव्य अयोध्या' ऐप के माध्यम से विश्वभर से लोग डिजिटली दीप प्रज्ज्वलित करने की व्यवस्था की गई है। दिव्य अयोध्या ऐप पर श्रद्धालुओं के लिए तीन प्रकार के पैकेज उपलब्ध हैं। 'राम ज्योति' नाम से 2100 रुपये का पैकेज अयोध्या दीपोत्सव 2025 के 'एक दीया राम के नाम' अभियान का सर्वोत्तम संकल्प है। इसमें रोली, सरयू जल (पीतल के लोटे में), अयोध्या रज, रामदाना, मिश्री, रक्षा सूत्र, हनुमान गढ़ी के लड्डू और चरण पादुका (खड़ाऊ) जैसे आठ घटक सम्मिलित हैं। ऑनलाइन संकल्प पूर्ण करने पर यह संपूर्ण पवित्र प्रसाद सीधे आपके घर तक पहुंचाया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए 'सीता ज्योति' नाम से 1100 रुपये में एक अन्य पैकेज उपलब्ध है। माता सीता को समर्पित इस पैकेज में रोली, सरयू जल (पीतल के लोटे में), रामदाना, रक्षा सूत्र और हनुमान गढ़ी के लड्डू जैसे पांच घटक सम्मिलित हैं। वहीं, भगवान राम के भाई लक्ष्मण के पराक्रम और सेवा भाव को समर्पित 501 रुपये के 'लक्ष्मण ज्योति' नाम के पैकेज में रोली, अयोध्या रज, रामदाना, रक्षा सूत्र और मिश्री जैसे पांच घटक सम्मिलित हैं। भक्त ऑनलाइन संकल्प लेकर इस पैकेज को अपने घर पर प्राप्त कर सकते हैं और दीपोत्सव-2025 में आध्यात्मिक रूप से सहभागी बन सकते हैं। 'दिव्य अयोध्या' एक पर्यटन आधारित मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेब पोर्टल है, जिसे अयोध्या आने वाले भक्तों और पर्यटकों को ध्यान में रख तैयार किया गया है। यह आगंतुकों को अयोध्या में घूमने और धार्मिक स्थलों की जानकारी खोजने में मदद करता है। ऐप को पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। पर्यटकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर होटल, होम स्टे बुकिंग, गाइडेड टूर, टैक्सी बुकिंग एवं अन्य सेवाएं उपलब्ध होती हैं। यह एप्लिकेशन होम स्टे योजना के अंतर्गत विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य अयोध्या आने वाले पर्यटकों के अनुभव को अधिक उत्कृष्ट बनाना है। दिव्य अयोध्या ऐप को कोई भी श्रद्धालु गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

निलंबित शिक्षिका को जीवन निर्वाह भत्ता न मिलने के चलते दी आत्मघाती कदम उठाने की धमकी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सोमवार को जिलाधिकारी के जनता दर्शन में एक अनूठा मामला संज्ञान में आया जो प्राथमिक विद्यालय जामू संडीला हरदोई में कार्यरत शिक्षिका रजनी संखवार से सम्बन्धित है।

शिक्षिका ने जिलाधिकारी के समक्ष बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा किये जा रहे पक्षपात एवं अन्याय के प्रति अपना दुखड़ा सुनाया। बीएसए हरदोई ने सितंबर 2024 में संडीला ब्लॉक की दो शिक्षिकाओं को आपसी विवाद के चलते निलंबित कर जांच खण्ड शिक्षा अधिकारी शाहाबाद को सौंप दी थी। जांच अधिकारियों ने पक्षपात करते हुए रसूखदार शिक्षिका की जांच रिपोर्ट 30 दिसंबर 2024 को बीएसए को सौंप दी जिसके आधार पर रसूखदार शिक्षिका की 30 दिसंबर को ही उसी विद्यालय में बहाली हो गयी जबकि दूसरी शिक्षिका की जांच आख्या को 4 महीने दबाए रखा।

शिक्षिका रजनी संखवार ने बताया कि जांच अधिकारियों के इस अन्याय के विरुद्ध शिक्षिका ने कई बार उच्चाधिकारियों से गुहार लगाई अंतत: उसने उच्च न्यायालय में बाद दाखिल कर दिया तो आनन-फानन में अप्रैल माह में जांच आख्या बीएसए को सौंप दी और बीएसए हरदोई ने नाराज होते हुए शिक्षिका को दंडित कर विकास खंड भरखनी में बहाल कर दिया। इसी बीच उच्च न्यायालय ने 21 मई 2025 को जांच आख्या और बीएसए हरदोई के आदेश को निरस्त करते हुए शिक्षिका रजनी के निलंबन अवधि के समस्त देयकों को देने का आदेश जारी कर दिया। बीएसए हरदोई ने उच्च न्यायालय के आधार पर देयक देना तो दूर उल्टा शिक्षिका को दिए जीवन निर्वहन भत्ता भी अप्रैल माह से बंद कर दिया विगत 7 माह से शिक्षिका का जीवन बुरी तरह तबाह होने के चलते अब शिक्षिका आत्मदाह तक की सोचने लगी। शिक्षिका अप्रैल से अब तक कई उच्चाधिकारियों के ऑफिस का चक्कर काटती रही किन्तु अधिकारियों का मन नहीं पसीजा। थक हार कर आज शिक्षिका जिलाधिकारी हरदोई के जनता दर्शन में आई और न्याय न् मिल पाने के कारण आत्मदाह की धमकी दे डाली। शिक्षिका रजनी संखवार ने

बताया कि उसके प्रति अन्याय शिक्षिका प्रियंका जायसवाल की ऊंची पहुँच के कारण हो रहा है उक्त शिक्षिका को 30 दिसंबर को ही जांच देकर उसी दिन बहाल कर दिया गया और वह पिछले 10 माह से न्यायालय से लेकर अधिकारियों के चक्कर काट रही है।

साथ ही जिन विद्यालयी अभिलेख चोरी के आरोपों की सजा वह काट रही है वह अभिलेख रसूखदार शिक्षिका द्वारा ही चुराए गए हैं जिलाधिकारी ने जब जामू प्रकरण की जांच डायट प्राचार्य से कराई तो उससे यह स्पष्ट हो चुका है कि अभिलेख चोरी रसूकदार शिक्षिका नें ही किए हैं किंतु ऊपरी दवाब के चलते उस जांच पर भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। जिलाधिकारी ने उक्त गंभीर प्रकरण का त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी को जांच के लिए नामित कर दिया है।

समर्थ और विकसित उत्तर प्रदेश 2047 को लेकर नगर पालिका में गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

नगर पालिका में आयोजित गोष्ठी में मौजूद व्यापारी और सभासद फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। 2047 तक विकसित और समर्थ उत्तर प्रदेश को बनाने के लिए शासन के निर्देश पर सोमवार को नगर पालिका परिषद में संभ्रांत नागरिकों और सभासदों के साथ एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। नगर पालिका परिषद के बोर्ड हाल में अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर द्वारा सभासद गणए व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों से क्यूआर कोड के माध्यम से अधिक से अधिक अपने सुझाव दर्ज कराए जाने के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी ने बताया विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के लिए मुख्य सुझाव शिक्षाए कृषिए ग्रामीण विकासए महिला सशक्तिकरणए स्मार्ट प्रशासनए और सुरक्षा पर केंद्रित हैं। ेंउंतजीनजजंतचतंकमींण्चण्हवअण्प द पर सुझाव दे सकते हैं। सरकार प्राप्त सुझावों की समीक्षा के बाद ही नीतियों का निर्माण करेगी और कुछ महिला सशक्तिकरण को एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश एक सुरक्षित और समावेशी राज्य बनेए यह भी एक मुख्य लक्ष्य है। सभी लोग सुझाव देने वालों को सम्मानित भी किया जा सकता है। इस मौके पर ही कई लोगों द्वारा अपने सुझाव क्यूआर कोड के माध्यम से पोर्टल पर दर्ज कराए गए। अधिशासी अधिकारी द्वारा उपस्थित सभी नागरिकों से उपरोक्त अभियान में अधिक से अधिक संख्या में अपना अपना फीडबैक दर्ज कराए जाने हेतु अपील

विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 कार्यशाला का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। उच्च प्राथमिक विद्यालय सदरियापुर माधौगंज में प्रभारी प्रधानाध्यापक नीरज गुप्ता ने सभी छात्र/छात्राओं को बताया कि स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देकर ही हम समृद्ध भारत का निर्माण कर सकते हैं। विद्यार्थियों से देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने और आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। विकसित भारत बिल्डथॉन के अंतर्गत विद्यालय से सभी शिक्षकों का नामांकन किया गया है। साथ ही पाँच.पाँच छात्रों की चार टीमें ऑनलाइन पंजीकृत की गई हैं। विकसित भारत के निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं और विद्यार्थियों को नवाचार की दिशा में प्रेरित किया। विकसित भारत बिल्डथॉन के चार आयाम- आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत के बारे में विस्तार से बताया। स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, क्राफ्ट उत्पाद निर्माण और नवाचार से जुड़ी उपयोगी बातें भी साझा कीं। इस अवसर पर सहायक अध्यापक कुलदीप त्रिपाठी व शिक्षा मित्र ठाकुर प्रसाद मौजूद रहे।

बच्चे मोबाइल फोन का प्रयोग पढ़ाई एवं अन्य अच्छी जानकारी के लिए करें: अनुनय झा

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मिशन शक्ति-5.0 के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द सभागार में शक्ति संवाद के तहत जिलाधिकारी अनुनय झा ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनाए उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड व सामान्य), स्पॉन्सरशिप योजना तथा पति की मृत्युपरांत महिला पेंशन के लाभार्थी बच्चों व महिलाओं के साथ संवाद किया। शक्ति संवाद में जिलाधिकारी ने उक्त योजनाओं के लाभार्थी बच्चों से उनके नाम, कक्षा, स्कूल का नाम तथा पसंदीदा विषय आदि के बारे में जानकारी ली तथा उनके अभिभावकों से भी बच्चों की पढ़ाई आदि के बारे में पूछा। उन्होने योजनाओं के लाभार्थियों बच्चों से कहा कि मोबाइल फोन का प्रयोग अपनी पढ़ाई एवं अन्य अच्छी जानकारी के लिए करें।

- **महिला लाभार्थियों एवं बच्चों की पेंशन समय से उनके खातों में भेजी जायेगी: जिलाधिकारी**
- **मिशन शक्ति के तहत जिलाधिकारी ने किया महिलाओं एवं बच्चों से शक्ति संवाद**

जिलाधिकारी ने कोविड या अन्य कारणों से हुई पति के मृत्युपरांत महिला पेंशन लाभार्थियों से संवाद में कहा कि अगर किसी लाभार्थी की पेंशन किसी कारण नहीं आती है तो इसकी जानकारी विभाग को समय पर उपलबध करायें। उन्होने कहा कि पेंशन पाने वाली महिला लाभार्थियों एवं बच्चों की पेंशन समय से उनके खातों में भेजी जायेगी। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार निगम ने बताया कि उ0प्र0 मुख्यमंखे बाल सेवा योजना में सामान्य में ऐसे किशोर जिन्होने 01 मार्च 2020 के बाद अपने माता पिता दोनों अथवा माता या पिता में से किसी एक अथवा अभिभाव को खो दिया है ऐसे सम्मलित परिवारों के बच्चों को प्रतिमाह रू0-2500/- का आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाना है और वर्तमान में 2646 बच्चों का जिलाधिकारी महोदय से अनुमोदन लिया जा चुका है तथा उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत कोविड.19 महामारी से प्रभावित बच्चों हितार्थ रू0- 4000/- व उच्च शिक्षा हेतु 166 छात्र/छात्राओं को लैपटॉप उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया जा रहा है और प्रवर्तकता स्पॉन्सरशिप योजना के तहत किशोर न्याय बालकों की देख रेख और संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत स्पॉन्सरशिप परिवारों को बच्चों की चिकित्साए शिक्षा और विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्तमान में जिलाधिकारी से 1721 बच्चों का अनुमोदन लिया जा चुका है एवं पति की मृत्योपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना में अब तक सत्यापित 94687 लाभार्थियो को पीएमएमएस के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत अब तक 11718 आवेदन पत्रों को स्वीकृत कराकर शासन को अग्रसारित किया गया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, योजनाओं से जुड़े लाभार्थी एवं पत्रकार बन्धु आदि उपस्थित रहें।

कलाकारों ने किया राम जन्म, ताड़का वध लीला का मंचन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। क्षेत्र के पलिया गांव स्थित मां फूलमती देवी मंदिर के रामलीला मैदान में रामलीला मंचन में रविवार की रात्रि राम जन्म, मुनि आगमन और ताड़का वध लीला का मंचन कलाकारों द्वारा किया गया। एक बार भूपति मन माही, भई गलानि मोरे सुत नहीं। दरबार में बैठे चक्रवर्ती नरेश दशरथ को अचानक दुख होता है कि उनका चौथा पन आ गया और उन्हें आज तक एक भी पुत्र की प्राप्ति नहीं हुई। वह अपनी व्यथा लेकर गुरु वशिष्ठ के पास पहुंचे जहां गुरुजी ने कहा कि वह धैर्य रखे उन्हें चार पुत्र होंगे। इसके लिए उन्हें ऋष श्रृंगी को बुलाकर पुत्रेष्टि यज्ञ कराना होगा।

गुरु की कृपा से यज्ञ संपन्न हुआ और अग्नि देव प्रकट हुए। फ्रि तीनों रानियों से चार पुत्र का जन्म हुआ। पुत्रों का जन्म सुनते महाराज दशरथ खुश हुए और ब्राह्मणों और याचको के बीच स्वर्ण मुद्राएं बंटवाई। इस बीच चूड़ाकरण, नामकरण, गुरु के यहां जाकर शिक्षा ग्रहण करने आदि का अभिनय रोमांचकारी रहा। धीरे-धीरे चारों भाई बड़े हुए और उसी बीच ऋषि विश्वामित्र जो वन में यज्ञ कर रहे होते हैं उन्हें राक्षसों द्वारा परेशान किया जाने लगा तो वह यज्ञ की रक्षा के लिए अयोध्या पहुंचे और महाराज दशरथ से यज्ञ की रक्षा के लिए कुछ दिवसों के लिए राम और लक्ष्मण को मांगा तो दशरथ जी अधीर हो गए। बाद में गुरु वशिष्ठ के समझाने के बाद राजन ने दोनों राजकुमारों को मुनि को सौंप दिया। वन में पहुंचे भगवान श्री राम ने ताड़का का और सुबाहु मारीच का वध कर दिया। उपरोक्त सभी संवाद देख दर्शक रोमांचित होते रहे।

इस मौके पर बबलू सिंह, वेदपाल गुप्ता, इंद्रपाल सिंह भूरा, मनोज गुप्ता, विकास श्रीवास्तव, सनोज सिंह, शैलेन्द्र सिंह, अरविंद मिश्रा, अतुल तिवारी, अनुराग श्रीवास्तव, श्याम सिंह, सनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

किसान मजदूर संगठन की मासिक बैठक संपन्न, किसानों ने किया बघौली पावर हाउस का घेराव

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बघौली (हरदोई)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत किसान मजदूर संगठन की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष विकास चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान किसानों ने अपनी प्रमुख मांगों को रखते हुए कहा कि विक्टोरियागंज माइनर में सिल्ट सफाई करवा कर टेल तक पानी पहुँचाया जाए। रामपुर गाँव से रामपुर ग्रन्ट तक सड़क को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। बघौली कस्बा से गदनपुर होकर डबल गेट तक सड़क का डामरीकरण कराया जाए, बघौली कस्बे में आधार कार्ड बनवाने की व्यवस्था को पुन: शुरू किया जाए। बैठक के उपरांत संगठन के जिला अध्यक्ष विकास चौहान के नेतृत्व में किसानों ने बघौली पावर हाउस का घेराव किया। किसानों ने बिजली संबंधी समस्याओं पर ज्ञापन बिजली विभाग के अधिकारियों को सौपा घेराव के दौरान प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मौके पर पीएसी, दमकल विभाग तथा स्थानीय पुलिस बल सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की थी।

इस अवसर पर किसान नेता निर्भय सिंह जिलाउपाध्यक्ष मुकेश सिंह कुकुही जिलाउपाध्यक्ष प्रियांशु सैनी तहसील अध्यक्ष जितेंद्र सिंह जीतू ब्लॉक प्रभारी अहिरोरी रोशनलाल वर्मा ब्लॉक उपाध्यक्ष रामजीवन ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र निहाल सिंह टंडन शुक्ला आदि सैकड़ो कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर और डिजिटल बनाने के लिए सीएमओ ऑफिस मे दिया गया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ और डिजिटल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। अब मरीजों को जांच कराने के लिए जिला अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, क्योंकि सभी आवश्यक पैथोलॉजी जांचें अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC) पर ही उपलब्ध होंगी। इसके अलावा मरीजों को जांच रिपोर्ट भी अब कागज पर नहीं, बल्कि सीधे उनके मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप या SMS के माध्यम से प्राप्त होगी। इससे इलाज में समय की बचत होगी और अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलेगी इस सुविधा के सुचारू संचालन के लिए आज सीएमओ कार्यालय में विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC) से आए चिकित्सा अधीक्षकों, लैब टेक्नीशियनों और कंप्यूटर ऑपरेटरों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के दौरान डेमो के माध्यम से डिजिटल रिपोर्टिंग प्रणाली को समझाया गया।

कर्मियों को बताया गया कि कैसे जांच के बाद तुरंत मरीज की रिपोर्ट ऑनलाइन तैयार कर उसे मोबाइल पर भेजा जा सकता है अब मरीजों को जांच के लिए जिला मुख्यालय नहीं जाना होगा हमारी लैब पूरी तरह डिजिटल हो रही है जिससे रिपोर्ट मोबाइल पर आसानी से उपलब्ध कराई जा सकेगी। वहीं इस कार्यक्रम के इंचार्ज अजय तिवारी ने कहा कि इस नई व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को बहुत राहत मिलेगी। हमारा लक्ष्य है कि हर सीएचसी पर डिजिटल जांच रिपोर्ट की सुविधा जल्द से जल्द शुरू हो। सीएमओ भवनाथ पांडे, बीडीएम एक्सपर्ट डॉ० एस.एन. मिश्रा रीजनल सेल्स मैनेजर अजय तिवारी सेल्स मैनेजर कौशिक सहगल एलआईएस एक्सपर्ट मयंक पांथरी एवं अभिषेक पांडे एप्लिकेशन एक्सपर्ट सिद्दीकी सर्विस इंजीनियर विशाल एवं शिवेंद्र नोमान एवं गौतम मौजूद रहे।

हरियावां में चोरों की पुलिस को चुनौती, चोरों के हौसले बुलंद

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। देर रात थाना परिसर से कुछ ही दूरी पर स्थित देशी और अंग्रेजी शराब की दो दुकानों में चोरी की वारदात हुई। चोरों ने दुकानों के पीछे से नकब लगाकर प्रवेश किया। वे देशी शराब की लगभग 10 पेटियांए अंग्रेजी शराब की बोतलें और करीब 10 हजार रुपये नकद ले गए।चोरों ने वारदात की रिकॉर्डिंग मिटाने के लिए दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर ;क्टत्द्ध भी उखाड़ लिया। यह घटना हरियावां थाना परिसर से थोड़ी दूर डीसीएम शुगर एंड डिस्टिलरी मिल गेट के सामने हुई। पास की एक परचून की दुकान में भी सेंधमारी कर नगदी और अन्य सामान चुराया गया।सोमवार सुबह जब दुकानदार अपनी दुकानों पर पहुंचेए तो उन्होंने ताले टूटे और नकब कटी देखीए जिसके बाद चोरी का पता चला। सूचना मिलने पर हरियावां पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया है। स्थानीय लोगों ने थाने से इतनी कम दूरी पर हुई इस चोरी पर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोरों का सुराग लगाने का प्रयास कर रही है।पुलिस थाने से चंद कदमों की दूरी पर हुई इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

- **थाने के पास दो दुकानों में चोरी, शराब की पेटियां, नगदी और सीसीटीवी ले गए।**

निःशुल्क उद्धरण खतौनी वितरण किया गया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। तहसील सण्डीला जनपद हरदोई में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत 03 महिला लाभार्थियों को आवास आवंटन प्रमाण पत्र तथा 02 महिला लाभार्थियों को मत्स्य पालन हेतु तालाब आवंटन प्रमाण पत्र

एवं 11 महिला सामागियों को घरौनी प्रमाण पत्र एवं 04 महिला लाभार्थियों को मनात मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना वाल्याण योजना व 48 महिला लाभार्थियों को गरासत अभियान के अन्तर्गत नि:शुल्क उद्धरण खतौनी वितरण किया गया।

किशोरी नगदी और जेवर लेकर चंपत, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिहानी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी अपने घर से नगदी और जेवर लेकर प्रेमी के साथ चली गई। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू की है। पीड़िता पिता के अनुसार 12 अक्तूबर की रात उसकी 16 वर्षीय पुत्री को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम धोबिया निवासी कृष्णा पुत्र सत्यप्रकाश अपने साथी छोटू पुत्र छोटल्ले के साथ बहला फुसलाकर बाइक से कहीं भगा ले गया है। उसकी पुत्री घर में रखे एक लाख रुपए नगद और लगभग डेढ़ लाख के जेवर अपने साथ लेकर गई है। पीड़ित पिता की लिखित तहरीर पर पिहानी पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सोमवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राइवेट बस अड्डा पर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बालकों एवं परिचालकों को महिला यात्रियों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आमजनमानस को महिलाओं व बालिकाओं से उचित व्यवहार करने के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। साथ ही बस अड्डा पर आने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं को सड़क सुरक्षा के उपाय एवं महिला अपराध संबंधित कानूनो के बारे में भी अवगत कराया गया। परिवालको / चालको को यात्रा में महिलाओं से उचित व्यवहार करने एवं उनकी सुरक्षा के सम्बन्ध में जानरूक किया गया। जनपद के विभिन्न स्थानो पर गहिला सशक्तिकरण रो सम्बन्धित पम्पलेट बॉटे गये।

युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

पाली (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के ग्राम हड़ाह मलीकापुर में सोमवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब देव प्रकाश (32) पुत्र रमेश पांडेय का शव उनके घर के बाहर संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि देव प्रकाश की हत्या की गई है। गांव के मुख्य मार्ग घटनास्थल पर जुटी भीड़। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम वाहन में ले गये। परिजनों का रोते.बिलखते रहे। थाना पाली परिसर या पोस्टमार्टम हाउस की झलक। युवक की संदिग्ध मौत से गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मौत कैसे हुई।

युवक ने ससुराल वालों पर मारपीट का आरोप लगाया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिहानी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंडरवा किला निवासी युवक ने पत्नी और उसके परिजनों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जफर अली पुत्र इकबाल अली के अनुसार सात माह पूर्व उसका विवाह गांव निवासी निदा पुत्री अनीश के साथ हुआ था। विवाह के कुछ ही दिन बाद उसकी पत्नी अपनी मां शबनम और भाई अरशद के कहने पर उसे प्रताड़ित करती है और फांसी लगाकर आत्महत्या कर उसे जेल भेजने की धमकी देती रहती थी। 10 अक्तूबर को वह पत्नी के साथ देहरादून से वापस घर आया था। उसी दिन शाम को करीब 6 बजे उसकी पत्नी अपने मायके लेकर गई।जहां किसी बात को लेकर उसकी पत्नी ने अपने भाई और मां के साथ उसे गाली गलौज किया और मारपीट कर घायल कर दिया। वह किसी तरह भाग कर अपने घर आ गया। विपक्षियों ने उसके घर आकर उसे जान से मार डालने की धमकी दी। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

35 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी की गयी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एट एवं जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में आगामी दीपावली, गोबर्धन पूजा एवं भाईदूज पर्व के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से निरीक्षण कर अभिसूचना एकत्रित करते हुए जनपद में स्थित निर्माण इकाई रिजेबर /पैकर कोल्ड स्टोरेज /भण्डारण इकाई अस्थायी भट्टी एवं सम्बन्धित मण्डियों की विशेष कार्ययोजना बनाकर खाद्य एवं पेय पदार्थ विशेषकर व्याप पदार्थ का पनीर, दूध एवं दुग्धपदार्थ सेनेर्मिताईची नमकीन ड्राई फ्रूट, खाद्य तेल एवं वनस्पति घी, रस्टीन मीठे दिधलीने, अन्य व्याध पदार्थ आदि में मिलावट पर प्रभावी रोकथाम हेतु सहायक आयुक्त (खाद्य) कुमार गुंजन के निर्देशन में एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुभाष तिवारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण श्रीमती कौजिया, मान सिंह निजम, कुमार चित्रसेन, दीपेन्द्र कुमार सिंह, अनुराग सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह पटेल द्वारा जनपद में स्थित खाद्य प्रतिष्ठान/कारोबारकर्ताओं पर निम्न प्रवर्तन कार्यपाठों सम्पादित की गयी। रोहित पुत्र संतोष रावत लखनपुर राहील लौज का नमूना, विवेक कुमार पुत्र सतीष रावत शाहाबाद, हरदोई लौज का नमूना, विकास कुमार रावत पुत्र संतोष रावत लौज का नमूना, प्रदीप पुत्र स्व रामपाल रबड़ी का नमूना, अनिल कुमार पुत्र विजेन्द्र दूध का नमूना, मिचात्म स्वीटर ढालक टोलाए हरदोई खोया का नमूना सुभग 18 कि0ग्रा0 मूल्य रू0 1080 नष्ट कराया गया एवं 35 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी की गयी। नमूने जाँच हेतु प्रयोगशाला भेजे गये जैव रिपोर्ट प्राप्त होने की बावत सम्बन्धित कारोबारियों पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शिवरानी पत्नी श्रीराम, पताः-ग्राम-शिवपुरी, पोस्ट-सर्वे, थाना-कासिमपुर, तहसील-सण्डीला, जिला-हरदोई की निवासिनी हूँ। मेरी पालिसी संख्या 223045559 मे बतौर नामिनी राम जानकी अंकित है, जबकि मेरे आधार कार्ड पर शिवरानी अंकित है। शिवरानी उर्फ राम जानकी दोनों नाम एक ही है और दोनों नामों से जानी वह पहचानी जाती हूँ।

शिवरानी पत्नी श्रीराम
पताः-ग्राम-शिवपुरी, पोस्ट-सर्वे, थाना-कासिमपुर,
तहसील-सण्डीला, जिला-हरदोई।

महामारी का सबब बन सकते हैं बर्फ से निकलते 'दैत्य'

ग्लेशियरों में मौजूद बैक्टीरिया या वायरस जीवन के चिन्ह माने जाते हैं लेकिन इनसे बीमारियां-महामारियां पैदा करने का जोखिम भी जुड़ा है। जलवायु परिवर्तन या मानवीय हस्तक्षेप से यदि बर्फ पिघले तो अनुकूल वातावरण पाकर ये सूक्ष्मजीव पुनरू सक्रिय या जीवित हो सकते हैं। वैज्ञानिक चेतावनी दे चुके हैं कि वे मनुष्यों को संक्रमित कर सकते हैं। एक शोध के दौरान अलास्का की हजारों साल पुरानी बर्फ पिघलाने के बाद वायरस जीवित हुए भी। तेजी से ध्रुवों पर बर्फ पिघल रही है जिसमें पड़े संक्रामक सूक्ष्मजीवों का सक्रिय होना संकटकारी है। इस दिशा में अनदेखी से हजारों साल पुरानी महामारियों के वापस आने की आशंका है जो इंसानी जीवन के लिए तबाही का सबब बन सकती है। अभी हमें नहीं मालूम कि हमारी पृथ्वी से परे इस ब्रह्मांड में कहीं और जीवन है या नहीं। लेकिन तमाम उपग्रहों, अंतरिक्ष वेधशालाओं और रेडियो संकेतों की छानबीन के बाद विज्ञानियों का मत है कि मंगल ग्रह या कहीं और धरती से परे जीवन की कोई संभावना सूक्ष्मजीवों (बैक्टीरिया या वायरस) आदि के रूप में हो सकती है। मुमकिन है कि जिन ग्रहों-उपग्रहों पर बर्फ और पानी का तनिक भी अस्तित्व हो, वहां ऐसे सूक्ष्मजीव मिल सकते हैं जो जीवन पनपा सकें। नमी, गर्म मौसम और वायुमंडल में ऑक्सीजन सरीखी गैसें- जिंदगी पैदा करने के लिए यही सब कुछ तो चाहिए। जरूरत इतनी सी है कि इन सूक्ष्मजीवों को (अगर वे पृथ्वी से बाहर कहीं हैं, तो) किसी तरह सक्रिय यानी जीवित किया जा सके। पर हमारी पृथ्वी को जीवन के स्पंदन से भरने वाले बैक्टीरिया या वायरस की शक्ल वाले इन सूक्ष्मजीवों (माइक्रोऑर्गेनिज्म) की एक भूमिका और भी है। इनका दूसरा पहलू असंख्य बीमारियों और महामारियों को पैदा करने से जुड़ा है। पानी, हवा और जमीन के दृश्यमान माहौल से अलग पृथ्वी की अतल गहराइयों, बर्फ की कंदराओं और चट्टानी दरारों तक में मौजूद सूक्ष्मजीवों को अगर मौका मिले तो शायद वे पूरी कायनात को ही पलट कर रख दें। कोविड महामारी के दौर से ही ऐसी आशंकाएं सिर उठा रही हैं। इधर अमेरिका के कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अलास्का (आर्कटिक) की 40 हजार साल पुरानी बर्फ (पर्माफ्रॉस्ट-मिट्टी, बर्फ और चट्टानों का मिश्रण) के कुछ नमूनों को क्या पिघलाया, वे यह देखकर हैरान रह गए कि हजारों साल तक बर्फ में फंसे और जमे रहे सूक्ष्मजीव धीरे-धीरे जीवित हो गए। हालांकि सूक्ष्मजीवों का यह पुनर्जीवन कोई अच्छी खबर लेकर नहीं आया है। माना जा रहा है कि किसी साइंस-फिक्शन हॉरर फिल्म की तरह, ये प्राचीन संक्रामक सूक्ष्मजीव किसी जानवर पर आश्रित होकर अगली मानव महामारी का कारण बन सकते हैं। यह नई सूचना दशकों से प्रचलित उस मान्यता को स्थापित करते हुए प्रतीत हो रही है, जिसमें यह चेतावनी दी जाती रही है कि धरती की गहरी परतों में कैद प्राचीन बर्फ को छेड़ा न जाए क्योंकि इसके अंजाम बहुत बुरे हो सकते हैं। न तो उसकी खुदाई की जाए और न ही ऐसे हालात पैदा किए जाएं, जिससे यह खुद-ब-खुद पिघलने लगे। अलास्का में पृथ्वी की सतह से 350 फुट नीचे जिस इलाके से कोलोराडो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नए नमूने जमा किए हैं, वहां 1960 के दशक में भी खुदाई की गई थी। 'पर्माफ्रॉस्ट सुरंग' के रूप में विख्यात इस जगह पर अति प्राचीन समय के विशालकाय जानवरों की हड्डियां जस की तस मौजूद हैं। यहां से लिए गए सूक्ष्मजीवों (बैक्टीरिया से समूह) के नमूनों को पानी के बीच 39 से 54 फॉरेनहाइट तापमान रखकर जगाने की कोशिश की गई। छह महीने तक चले प्रयोगों के बीच पाया गया कि शुरुआत में इन बैक्टीरिया समूहों की बढ़वार बेहद धीमी थी, लेकिन इन्हीं में से कुछ ने अपने इर्दगिर्द एक पतला, चिपचिपा पदार्थ बनाना शुरू कर दिया। इस पदार्थ को बायोफिल्म के रूप में जाना जाता है, जो वायरस और बैक्टीरिया की रक्षा करता है और उन्हें फैलने में मदद कर सकता है। विज्ञानियों ने इसका नतीजा यह निकाला कि गर्म और नम माहौल देने पर बर्फ में सदियों तक जमे रहे सूक्ष्मजीव कुछ ही महीनों में जीवित और सक्रिय हो सकते हैं। यही असली खतरा है।

जलवायु परिवर्तन या मानवीय हस्तक्षेप से यदि बर्फ पिघले तो अनुकूल वातावरण पाकर ये सूक्ष्मजीव पुनरू सक्रिय या जीवित हो सकते हैं। वैज्ञानिक चेतावनी दे चुके हैं कि वे मनुष्यों को संक्रमित कर सकते हैं। एक शोध के दौरान अलास्का की हजारों साल पुरानी बर्फ पिघलाने के बाद वायरस जीवित हुए भी। तेजी से ध्रुवों पर बर्फ पिघल रही है जिसमें पड़े संक्रामक सूक्ष्मजीवों का सक्रिय होना संकटकारी है। इस दिशा में अनदेखी से हजारों साल पुरानी महामारियों के वापस आने की आशंका है जो इंसानी जीवन के लिए तबाही का सबब बन सकती है।

क्या ट्रंप नोबेल में मात के बाद भी शांति दूत बने रहेंगे?

ऋतुपर्ण दवे

ट्रंप कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमेरिका का राष्ट्रपति होने का गुमान था। इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं के पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरस्कार मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है। अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रंप भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयं-भू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं।

बड़बोले डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने वाले ट्रंप हाथ मलते रह गए। शांति के नोबेल के लिए चंद देशों से खुद को नामित कराने वाले अड़ीबाज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मुकाबले बेहद कम चर्चित और दुनिया में अलग पहचान रखने वाली एक महिला को मिलना शायद ट्रंप को उनकी असलियत या औकात बताने को काफी है। वैसे भी हर पुरस्कार के लिए नियम होते हैं, लंबी फ़ेहरिस्त होती है और कारण होते हैं। ट्रंप कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमेरिका का राष्ट्रपति होने का गुमान था। इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं के पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरस्कार मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है। अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रंप भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयं-भू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है? इस बार का नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा। लेकिन जान को गंभीर खतरों के बावजूद उन्होंने अपना देश नहीं छोड़ा और दुनिया भर में शांति के पक्षधर लाखों लोगों का प्रेरित किया। मारिया का मानना है कि जब सत्तावादी लोग सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के ऐसे साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े हों और विरोध करें। लोकतंत्र उन्हीं लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने के बजाए गंभीर जोखिमों के बावजूद आगे बढ़ते रहने का दुस्साहस करते हैं। यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और शब्दों के सामर्थ्य का इस्तेमाल जरूरी है। ट्रम्प भले ही दुनिया का दारोगा कहलाएं लेकिन उन्हें मारिया के सिध्दांतों और धारणाओं से काफी कुछ सीखने की जरूरत है। यह सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में तो शुरुआत से ही शांति के नोबेल पुरस्कार का सपना संजोए बैठे थे। उनका हर मंच पर दावा कि उन्होंने ही आठ युद्ध रुकवाए हैं यही बताता है। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की आलोचना करना और कहना कि बिना किसी कारण के उन्हें नोबेल मिला मैंने तो 8-8 युद्ध रुकवाए अहंकार नहीं तो क्या है? लेकिन वो भूल गए कि उनके दावे नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की समय-सीमा के बाद के हैं। ऐसे में संभव है कि यह उनकी चालाकी हो और अगले साल के अपने दावे को पुख्ता करने की रणनीति हो! दुनिया जानती है कि ट्रम्प कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं। कहा तो यह तक जाने लगा है कि ट्रंप को यह भी नहीं पता अगले पल वो क्या कर बैठें, बहरहाल यह उनका अपना मामला है वो जाने। हां, नोबेल कमेटी की निना ग्रेगर ने यह जरूर कहा कि नोबेल के फैसले पर गाजा सीजफायर का असर नहीं होगा, लेकिन अगर यह शांति स्थायी रही, तो अगले साल ट्रंप की दावेदारी मजबूत हो सकती है। वहीं, नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोएर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि पुरस्कार पर फैसला काम के आधार पर किया जाता है। अब ऐसा भी नहीं है कि अमेरिका जैसे देश सशक्त देश के राष्ट्रपति को इतना भी भान न हो? अब एक पुराना और चौंकाने वाला वाकया सुर्खियों में है। जब एडॉल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की कोशिश हुई। इससे हर कोई असहज हुआ होगा। उनके क्रूर होने के किस्से-कहानियां इतिहास की किताबों में दर्ज है। क्या उनका नाम कभी प्रस्तावित हुआ? दरअसल एक तीखी व्यंग्यात्मक आलोचना के रूप में जरूर उनका प्रस्ताव स्वीडिश संसद के एक सदस्य, एरिक ब्रांट ने 27 जनवरी 1939 को नोबेल समिति को भेजा। ब्रांट एक समाजिक-लोकतांत्रिक राजनेता थे। यह उनका स्वीडिश राजनीतिज्ञों की प्रवृत्ति पर कटाक्ष और व्यंग था जो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन की शांति-नीति की तारीफ करते नहीं अघाते थे। जब चेम्बरलेन की शांति के लिए खूब स्तुति हो सकती है, तो हिटलर को भी यूरोप में युद्ध के खतरों लिए नामांकित कर दीजिए। लेकिन सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, आलोचनाओं और गलतफहमियों से घिरता देख ब्रांट ने अपना नामांकन औपचारिक रूप से वापस भी ले लिया। नोबेल पुरस्कार की स्थापना बिजनेसमैन, एंटरप्रेन्योआर और वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु के बाद हुई जिन्होंने अपनी ज्यादातर संपत्ति कई क्षेत्रों में पुरस्कारों के लिए छोड़ी थी। सन- 1895 में अपनी वसीयत में कहा था कि ऐसे पुरस्कार उन्हें दिया जाना चाहिए जिन्होंने पिछले साल मानव जाति के लिए सबसे बड़ा उपकार किया हो। शुरुआत 1901 में हुई जो जारी है। केवल प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1914 से 1918 तक और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1939 से 1945 में यह नहीं दिए गए। पुरस्कार भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा या शरीर क्रिया विज्ञान, साहित्य, शांति और आर्थिक विज्ञान क्षेत्र में दिए जाते हैं। शांति पुरस्कार ऐसा अकेला है जिसका फैसला नॉर्वे की संसद की तरफ से चुने गए पांच सदस्यों की एक समिति की करती है। समिति ओस्लो में है पुरुस्कार वहीं देते हैं। इसमें एक डिप्लोमा, सोने का मेडल और 11 मिलियन स्वीडिश मुद्रा (10.36 करोड़ रुपये) दी जाती है। नियमानुसार पुरस्कार देने और न देने की वजह अगले 50 साल तक नहीं बताई जाती है। काश ट्रंप इतना इंतजार कर पाते? फिलहाल यह देखना होगा कि तिलमिलाए ट्रंप आगे भी शांति दूत बने रहेंगे या दुनिया की शांति हरेंगे, क्योंकि उनकी खीझ, खिसियाहट, टैरिफ वार और बॉडी लैंग्वेज कुछ और ही इशारा कर रही है?

वेद, उपनिषद पुराणों दिव्य आलोक से प्रदीप्त होता वैश्विक क्षितिज

संजीव ठाकुर

भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी। गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है। व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है। हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता है।

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी। गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है। व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है। हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता है। पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो। जससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत हो। इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान, दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफ़ेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है। पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है। इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं।

बड़ा मायने है पर्यटन में मध्य प्रदेश का वैश्विक रूप से हृदय जीत लेना

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पर्यटन के हर आयाम में यहां नई हलचल दिख रही है। कभी विरासत और वन्यजीव के लिए पहचाने जाने वाला यह प्रदेश आज वेडिंग, एमआईसीई, फिल्म और ग्रामीण पर्यटन जैसे क्षेत्रों में देशव्यापी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। भोपाल में हुए एमआईसीई एवं वेडिंग टूरिज्म सम्मेलन में देशभर के विशेषज्ञों ने माना है कि मध्यप्रदेश आयोजनों का नया केन्द्र बनकर उभर रहा है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि राज्य भौगोलिक रूप से देश के मध्य में है, जहां सड़क, रेल और हवाई मार्ग से सुगमता है, साथ ही यहां के शहर आधुनिक सुविधाओं और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम हैं। खजुराहो, महेश्वर, मांडू, पचमढ़ी और भोपाल जैसे शहर अब विवाह समारोहों और कॉर्पोरेट इवेंट्स के लिए नई पसंद बन रहे हैं। पारंपरिक स्थापत्य, शांत परिवेश और उत्कृष्ट आतिथ्य ने इन्हें विशिष्ट पहचान दी है। इस उभार के पीछे प्रशासनिक दक्षता और निजी क्षेत्र के साथ सरकार की साझेदारी की नई सोच है। आज जो सामने से दिखाई दे रहा है, वह यह है कि मध्यप्रदेश की कोशिश अब केवल आयोजन करवाने तक सीमित नहीं, हर आयोजन को सांस्कृतिक अनुभव में बदलने की है।

मध्य प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह पर्यटन के क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान बनाई है, वह नीतियों और प्रचार अभियानों के साथ दृष्टि और निरंतरता का प्रतीक है। भारत के हृदय में स्थित यह प्रदेश आज देश-विदेश के यात्रियों के लिए भरोसे और अनुभव दोनों का केन्द्र बन गया है। महामारी के बाद जब वैश्विक पर्यटन उद्योग पुनर्जीवन की राह खोज रहा था, तब मध्यप्रदेश ने योजनाबद्ध ढंग से अपनी साख दोबारा कायम की। पर्यटन के हर आयाम में यहां नई हलचल दिख रही है। कभी विरासत और वन्यजीव के लिए पहचाने जाने वाला यह प्रदेश आज वेडिंग, एमआईसीई, फिल्म और ग्रामीण पर्यटन जैसे क्षेत्रों में देशव्यापी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। भोपाल में हुए एमआईसीई एवं वेडिंग टूरिज्म सम्मेलन में देशभर के विशेषज्ञों ने माना है कि मध्यप्रदेश आयोजनों का नया केन्द्र बनकर उभर रहा है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि राज्य भौगोलिक रूप से देश के मध्य में है, जहां सड़क, रेल और हवाई मार्ग से सुगमता है, साथ ही यहां के शहर आधुनिक सुविधाओं और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम हैं। खजुराहो, महेश्वर, मांडू, पचमढ़ी और भोपाल जैसे शहर अब विवाह समारोहों और कॉर्पोरेट इवेंट्स के लिए नई पसंद बन रहे हैं। पारंपरिक स्थापत्य, शांत परिवेश और उत्कृष्ट आतिथ्य ने इन्हें विशिष्ट पहचान दी है। इस उभार के पीछे प्रशासनिक दक्षता और निजी क्षेत्र के साथ सरकार की साझेदारी की नई सोच है। आज जो सामने से दिखाई दे रहा है, वह यह है कि मध्यप्रदेश की कोशिश अब केवल आयोजन करवाने तक सीमित नहीं, हर आयोजन को सांस्कृतिक अनुभव में बदलने की है। वेडिंग टूरिज्म ने जहां स्थानीय कारीगरों, संगीतज्ञों और सेवा क्षेत्र को नए अवसर दिए हैं, वहीं यह संस्कृति और परंपरा के जीवंत प्रदर्शन का मंच भी बना है। मांडू के ऐतिहासिक महलों में संगीत की ध्वनियाँ और महेश्वर के घाटों पर नर्मदा की लहरों के बीच विवाह समारोह, प्रदेश के सांस्कृतिक आत्मविश्वास के नए प्रतीक हैं। पर्यटन विभाग का मानना है कि हर विवाह आयोजन राज्य की जीवंत संस्कृति का दर्पण है। इसी तरह फिल्म पर्यटन भी मध्यप्रदेश की पहचान का मजबूत स्तंभ बन चुका है। भोपाल, महेश्वर, पचमढ़ी, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहर अब फिल्मकारों के प्रिय स्थल हैं। यहां की फिल्म नीति ने शूटिंग प्रक्रिया को सरल बनाया है और स्थानीय कलाकारों के लिए नए अवसर खोले हैं। फिल्मों और वेब सीरीज़ की शूटिंग से इन इलाकों में रोजगार बढ़ा है, साथ ही पर्यटन को नया जीवन मिला है। अपर मुख्य सचिव पर्यटन व संस्कृति एव प्रबंधन संचालक मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिवशेखर शुक्ला कहते भी है कि राज्य अब एक विविधतापूर्ण, बहुआयामी और ऑफबीट पर्यटन गंतव्य के रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। यहां विरासत, वन्यजीवन, रोमांच, संस्कृति, कला, हस्तशिल्प और पाक-परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिलता है। मध्यप्रदेश की सीमा से लगे अन्य राज्य जैसे छत्तीसगढ़ से राम वन पथ गमन सर्किट, महाराष्ट्र के साथ ज्योर्तिलिंग सर्किट जैसे संयुक्त कार्यों पर काम किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त टाइगर कॉरिडोर, फिल्म पर्यटन और ईको टूरिज्म के साझा विकास की संभावना भी तलाशी जा सकती है। ऐसे अनेक प्रयासों ने प्रदेश के टूरिज्म को आज एक नई गति दी है। यही कारण है कि राज्य ने अंतरराज्यीय सहयोग की दिशा में भी उल्लेखनीय पहल की है। राजस्थान, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के साथ साझा पर्यटन परिपथ विकसित किए जा रहे हैं, कहीं हेरिटेज सर्किट, कहीं वाइल्डलाइफ या जनजातीय सर्किट। इससे यात्रियों को विविध अनुभव मिलेंगे और क्षेत्रीय पर्यटन को गति मिलेगी। यह सहयोगी दृष्टिकोण दिखाता है कि मध्यप्रदेश पर्यटन को स्थानीय या सीमित अर्थों में नहीं, व्यापक भारतीय परिप्रेक्ष्य में देख रहा है। कहना होगा कि विरासत संरक्षण और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाना इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि है। राज्य में 498 राज्य संरक्षित, 290 एएसआई संरक्षित स्मारक और तीन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। इन धरोहरों को संरक्षित रखते हुए आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का समावेश किया गया है। भोपाल और ग्वालियर का यूनेस्को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में शामिल होना इस दिशा में ऐतिहासिक कदम है। भोपाल अपने संग्रहालयों, झीलों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहा है, जबकि ग्वालियर अपनी संगीत परंपरा और स्थापत्य वैभव के साथ नए सिरे से पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। राज्य की नीतियों में सतत पर्यटन प्रमुख तत्व के रूप में उभरा है। ग्रामीण और ईको-टूरिज्म पर ध्यान देकर मध्यप्रदेश ने पर्यटन को स्थानीय समुदायों से जोड़ा है। सतपुड़ा, कान्हा, बांधवगढ़ और पेंच जैसे वनक्षेत्रों में अब ईको-लॉज और कम्युनिटी-बेस्ड टूरिज्म के मॉडल फलफूल रहे हैं। गांवों में होम-स्टे की पहल से यात्रियों को स्थानीय जीवन, भोजन और संस्कृति का अनुभव मिलता है। यह पर्यटन का नया चेहरा है और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ता कदम भी है। महामारी के बाद जब वैश्विक पर्यटक दोबारा यात्रा के लिए तैयार हो रहे थे, तब मध्यप्रदेश ने उन्हें भरोसे का कारण दिया। बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा, स्वच्छ गंतव्य और सहज नीतियों ने इसे पुनः विश्वसनीय बनाया। एफआईसीसीआई जैसे राष्ट्रीय निकायों के साथ साझेदारी, फिल्म और एमआईसीई टूरिज्म पर केंद्रित प्रयासों ने निवेशकों और आयोजकों का विश्वास जीता है। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने हाल में कहा कि हमारा लक्ष्य केवल पर्यटक संख्या बढ़ाना नहीं, ऐसा अनुभव देना है जो यादों में बस जाए। यही दृष्टि राज्य के पर्यटन विकास का आधार बन गई है। पर्यटन अब मध्य प्रदेश में यात्रा नहीं, भावनाओं और आत्मीयता का अनुभव है। महेश्वर के घाटों से उठती आरती की लौ, खजुराहो के मंदिरों की नक्काशी, पचमढ़ी के जंगलों की नमी और भोपाल की झीलों में उत?साह से आती लहरें, इन सबमें वह भरोसा झलकता है जो किसी भी गंतव्य को जीवंत बनाता है। यही वह भरोसा है जिसने मध्यप्रदेश को भारत का नहीं, विश्व पर्यटन का भी हृदय बना दिया है। आज जब दुनिया के तमाम देश अपने पर्यटन मॉडल को स्थायी और समावेशी बनाने की दिशा में सोच रहे हैं, तब मध्यप्रदेश अपने अनुभव से एक नया उदाहरण पेश कर रहा है, जहां विरासत जीवित है, आधुनिकता शामिल है और प्रकृति सुरक्षित है। यह विकास की कहानी है और उस संवेदनशील दृष्टि की मिसाल है जिसने पर्यटन को आर्थिक गतिविधि से आगे, विश्वास और आत्मगौरव की यात्रा बना दिया है।

डीएम ने पराली प्रबंधन जन जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्ली ने आज पराली प्रबंधन जन-जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वैन के माध्यम से जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक सतेन्द्र तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश के अनुसार फसल अवशेष जलाना दण्डनीय अपराध है। राजस्व विभाग द्वारा पर्यावरण क्षतिपूर्ति के तहत वसूली के निर्देश जारी किए गए हैं जिसमें 02 एकड़ से कम क्षेत्र पर 2,500, 02 से 05 एकड़ तक 5,000, तथा 05 एकड़ से अधिक क्षेत्र पर 15,000 तक जुर्माना निर्धारित है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों का उपयोग करें और खेतों में पराली न जलाएं। इससे पर्यावरण को नुकसान से बचाया जा सकेगा और खेतों की उर्वरता भी बनी रहेगी। साथ ही किसानों को सुझाव दिया गया कि पराली को गौशालाओं में दें और बदले में गोबर की खाद मुफ्त में प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने कहा कि पराली प्रबंधन केवल कानून का पालन नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है। सभी किसान इसमें सहयोग करें ताकि स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित हो सके।

डीएम ने सड़क किनारे मिट्टी के बर्तन बनाती बच्चियों को देखकर रुकवाई गाड़ी, शिक्षा से जोड़ने की पहल

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्ली ने आज ओसा से कलेक्ट्रेट लौटते समय पाता में सड़क किनारे मिट्टी के बर्तन बनाती कुछ बच्चियों को देखा तो उन्होंने तत्काल अपनी गाड़ी रुकवा दी। जिलाधिकारी ने बच्चियों एवं उनके अभिभावकों से संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया और बच्चियों को नियमित रूप से विद्यालय जाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मौके पर मौजूद उप जिलाधिकारी मंझनपुर सुखलाल प्रसाद वर्मा को निर्देशित किया कि संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर इन बच्चियों का प्रवेश कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, मंझनपुर अथवा राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय, भरसवा में सुनिश्चित कराया जाय जिससे वे शिक्षा से वंचित न रहें। जिलाधिकारी ने कहा कि ल्लप्रत्येक बालिका को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार है। उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है।

सांसद व विधायक खेल स्पर्धा कार्यक्रम का वर्चुअल हुआ उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज लखनऊ स्थित लोक भवन के सभागार में युवक एवं महिला मंगल दलों को प्रोत्साहन स्वरूप खेल किट वितरण तथा सांसद खेल स्पर्धा/ विधायक खेल स्पर्धा कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जनपद के विकास भवन स्थित सरस हॉल में किया गया जहाँ उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री जी का उद्बोधन लाइव देखा और सुना। इस अवसर पर मा. अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर ने युवक एवं महिला मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन किट वितरित की। उन्होंने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल स्पर्धा/ विधायक खेल स्पर्धा में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा लें और जनपद, प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के खेलो इंडिया खेलो और फिट इंडिया मूवमेंट के माध्यम से खेल गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले की अपेक्षा आज भारत के अधिक खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेकर मेडल जीत रहे हैं। इसी प्रेरणा से सरकार गांव-गांव में खेल के मैदान और ओपन जिम विकसित कर रही है। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जब तक समाज आत्मनिर्भर नहीं होगा, तब तक उसकी निर्भरता सरकार पर बनी रहेगी। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम है बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का भी एक सशक्त जरिया है। उन्होंने युवक एवं महिला मंगल दलों से आह्वान किया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, जिला युवा कल्याण अधिकारी अंशु मिश्रा, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी स्वाती पाण्डेय, अन्य संबंधित अधिकारीगण तथा युवक एवं महिला मंगल दलों के प्रतिभागी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बुखार-जुकाम का कहर: उन्नाव जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़

- मौसम बदलते ही ओपीडी में टूटा मरीजों का सैलाब, डॉक्टरों ने दी सतर्क रहने की सलाह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। बदलते मौसम ने लोगों की सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है। दिन में तेज धूप और रात में बढ़ती ठंड के बीच तापमान में हो रहे उतार-चढ़ाव से सर्दी-जुकाम, बुखार और वायरल संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका सीधा असर जिला अस्पताल की ओपीडी में दिखाई देने लगा है। सोमवार को अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों का सैलाब आ गया। सुबह से ही पर्चा काउंटर पर लंबी कतारें लगी रहीं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, सिर्फ सोमवार को ओपीडी में एक हजार से अधिक मरीजों का पंजीकरण हुआ। इनमें सबसे अधिक मरीज बुखार, खांसी, जुकाम, गले में खराश, सिरदर्द और बदन दर्द जैसी मौसमी बीमारियों से पीड़ित थे। बाल रोग, मेडिसिन और जनरल ओपीडी में मरीजों की सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने बताया कि तापमान में अचानक गिरावट और वातावरण में नमी बढ़ने से वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि सुबह-शाम हल्के गर्म कपड़े पहनें, ठंडी चीजों से परहेज करें और भरपूर मात्रा में पानी पिएं। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों को मौसम के अनुरूप कपड़े पहनाने की हिदायत दी गई है। डॉक्टरों ने यह भी अपील की है कि कोई भी लक्षण नजरअंदाज न करें और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें।

मरीजों की संख्या बढ़ने के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पर्चा काउंटर और खिड़कियां खोलीं। फार्मेसी में भी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट कर दिया गया है। अस्पताल में साफ-सफाई और दवा वितरण की व्यवस्था पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। सीएमओ ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सकों और स्टाफ को दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। मौसम के बदलते मिजाज ने जहां लोगों की सेहत पर असर डाला है, वहीं स्वास्थ्य विभाग को भी चौकन्ना कर दिया है।

रबी सीजन में मिलेगा नि:शुल्क सरसों बीज का मिनीकिट

उन्नाव। रबी 2025-26 के अंतर्गत राज्य सहायतित नि:शुल्क दलहन एवं तिलहन बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम के तहत किसानों को सरसों बीज का मिनीकिट नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए कृषि विभाग द्वारा agridarshan.up.gov.in पोर्टल पर बुकिंग प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है, जिसकी अंतिम तिथि अब समीप है। कृषि विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि केवल विभाग में पंजीकृत किसान ही इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, एक कृषक को केवल एक ही प्रकार की दलहनी या तिलहनी फसल का मिनीकिट प्राप्त करने की अनुमति होगी। किसान पोर्टल पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से आवेदन या बुकिंग की जा सकती है। लाटरी से होगा चयन, दो दिन शेष जिला कृषि अधिकारी के अनुसार विकासखंडों को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष यदि अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो लाभार्थियों का चयन लाटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा।

विकसित भारत बिल्डाथॉन 2025 में उन्नाव के बच्चों ने दिखाया नवाचार का ज़ज़्बा

- वोकल फॉर लोकल से हरित भारत तक – नन्हे नवोन्मेषियों की रचनात्मक प्रस्तुति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अटल इनोवेशन मिशन (इऋख्र) के सहयोग से डायट उन्नाव में आयोजित ल्ठ्ठद्बप्द्ध उद्धथन्थ उफ्द्धद्यदथप्द्धधद्ब 2025ङ्क कार्यक्रम में जिले के सभी विकासखंडों से चुने गए एक-एक विद्यालय के विद्यार्थियों ने डायट उन्नाव में अपने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह के निर्देशन में हुआ, जबकि एस.आर.जी. रचना सिंह एवं मुसर्रत फातिमा के समन्वय से गतिविधियाँ संपन्न कराई गईं। डायट प्रवक्ता राजीव शुक्ला, श्याम सिंह और अमित राय ने विद्यार्थियों को नवाचार आधारित अधिगम की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर विद्यार्थियों से विकसित भारत 2047 की दिशा में उनके सुझाव लिए गए।

सभी प्रतिभागियों ने चार प्रमुख विषयों पर अपने प्रोजेक्ट और विचार प्रस्तुत किए – Vocal for Local: स्थानीय उत्पादों, शिल्प और संस्थानों को बढ़ावा देना।

आत्मनिर्भर भारत: स्वदेशी प्रणालियों और तकनीकी उपकरणों का निर्माण। हरित और स्वच्छ भारत: पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की पहल। समृद्ध भारत: सामाजिक समरसता और सामूहिक विकास का मार्ग। कार्यक्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय, रामपुर गढ़ौवा, औरास से खुशी, किरन, समरीन, उपासना और राजकुमार ने टीम लीडर शिक्षक प्रदीप वर्मा के साथ सहभाग किया। बच्चों ने अपने मॉडल में स्थानीय पर्वों से प्रेरित डांडिया, मूर्तियाँ, राखियाँ, औषधीय पौधों का रोपण, नशामुक्ति जागरूकता और विज्ञान आधारित प्रयोग जैसे साइकिल मरम्मत, वाटर फिल्टरेशन तथा जल संरक्षण प्रणाली प्रस्तुत की।

रामपुर विद्यालय के शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा, ल्लबच्चों के विचार विकसित भारत की नई दिशा हैं – जहाँ विज्ञान, संस्कृति और जिम्मेदारी एक साथ आगे बढ़ते हैं।ङ्क

इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक चेतना का नवप्रवाह उत्पन्न किया। सभी प्रतिभाग विद्यालयों को ल्लविकसित भारत नवाचार मिशनङ्क से जोड़ने हेतु निर्देश प्रदान किए गए।

एस आर जी रचना सिंह और मुसर्रत फातिमा ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा, ल्लबच्चे जब स्थानीय सोच को वैज्ञानिक दृष्टि से जोड़ते हैं, तभी भारत आत्मनिर्भर और विकसित बनता है।ङ्क यह आयोजन विद्यार्थियों के मन में नवाचार, स्वदेशी भावना और जिम्मेदारी की चेतना स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में शिक्षकों प्रदीप वर्मा, क्षितिज श्रीवास्तव, सुशील, रविकांत, विक्रम आदि ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

संक्षिप्त समाचार

पीक ऑवर में लगा भीषड़ जाम

शुक्लागंज- उन्नाव। नवीन पुल पर सोमवार सुबह पीक ऑवर में ढाई घंटे लंबे जाम से लोग कराह उठे। सोमवार सुबह करीब नौ बजे कानपुर ड्यूटी जाने वाले लोगों के वाहनों की कतार पुल पर लगनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते फोरलेन तक फैल गई। कानपुर और शुक्लागंज की ओर से आ रही ई-बसों ने संकरे रास्ते में जाम को और बढ़ा दिया, जिससे वाहनों का आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। जाम की भयावहता के कारण कानपुर ड्यूटी जाने वाले कर्मचारी और स्कूल जाने वाले बच्चे विलंबित हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आड़े-तिरछे खड़े वाहनों को व्यवस्थित किया, तब कहीं जाकर वाहन रेंगना शुरू हो सके। दिन में करीब साढ़े ग्यारह बजे तक नवीन पुल पर जाम लगा रहा, जिससे यात्रियों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी। इसी तरह, दोपहर और शाम को भी जाम की स्थिति बनी रही, जिससे आने-जाने वाले लोगों को जाम में फंसे रहना पड़ा। लोगों ने पुल के संकरेपन और ट्रैफिक प्रबंधन की कमी पर नाराजगी जताई है।

अज्ञात युवक का शव मिलने से मच हड़कंप

शुक्लागंज- उन्नाव। सोमवार को थाना गंगाघाट क्षेत्रान्तर्गत सरैया क्रासिंग के पास छमकनाली पुलिया के निकट रेलवे ब्रिज संख्या 109 के नीचे नाले में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही गंगाघाट पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को नाले के पानी से बाहर निकाला। मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान आशीष कुमार (उम्र करीब 25 वर्ष) पुत्र राम कुमार सिंधिया निवासी वार्ड नं0 13, जनार्दनपुर, समस्तीपुर, बिहार के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, प्रथमदृष्टया यह प्रतीत होता है कि आशीष उपरोक्त की मृत्यु ट्रेन से नीचे गिरने के दौरान पुल से सिर टकराने के बाद नाले में गिरने से हुई है। यह एक दुखद हादसा माना जा रहा है। थाना गंगाघाट पुलिस ने मृतक आशीष कुमार के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा है और आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटना की गहनता से जांच की जा रही है और मृतक के परिजनों को सूचित करने का प्रयास किया जा रहा है।

तहसीलदार ने दिवंगत छात्र के परिजनों को दी सांत्वना, आर्थिक मदद का दिया आश्वासन

पैलानी /बांदा।पैलानी थाना क्षेत्र अंतर्गत खप्टिहाकला के नई बस्ती में रविवार को सुबह आठ बजे सुनील कोटार्य का लड़का मोनू कोटार्य बारह वर्ष जो परम हंस श्री रणछोड़ दास इंटर कॉलेज खप्टिहाकला में कक्षा सात का छात्र था अपनी मां अंजू देवी के साथ मिट्टी लेने दो सौ मीटर दूर टीला गये थे वहां पंगू प्रजापति की बहू ममता भी गई थी वहां पहले से मौजूद गौरा पत्नी अलखराम चालीस वर्ष मिट्टी खोद रही थी तभी अचानक टीला धंसने से मोनू कोटार्य की मौत हो गई तथा ममता गंभीर रूप से घायल हो गई थी दोनों को मेडिकल कॉलेज बांदा भर्ती कराया गया जहां पर डॉक्टरों ने मोनू कोटार्य को म्रत घोषित कर दिया। वहीं आज तहसीलदार पैलानी राधेश्याम सिंह व नायब तहसीलदार पैलानी मुहम्मद मुस्तकीम व लेखपाल अमित सिंह ने पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद दैवीय आपदा कोष से आर्थिक मदद दिलाए जाने को लेकर आश्वस्त किया।

मनु शतरूपा और रावण जन्म की लीला का मंचन

नरैनी/बांदा। रामलीला मंचन के दूसरे दिन मनु शतरूपा और रावण जन्म की लीला का मंचन देखने क्षेत्र की भीड़ उमड़ पड़ी । रावण और कुंभकर्ण की तपस्या एवं गर्जना सुन प्रांगण में बैठे बच्चे भयभीत हो उठे ।संकट मोचन रामलीला समिति नरैनी के तत्वाधान में द्वितीय दिवस रामलीला मंचन में जहां एक ओर मनु और शतरूपा के वैराग्य जैसे मार्मिक लीला का मंचन देख दर्शक मंत्रमुग्ध हुए वहीं दूसरी ओर दशग्रीव रावण और उनके छोटे भाई भीमकाय कुंभकर्ण एवं विभीषण के जन्म एवं मेघनाद दिग्विजय की वीर रस से परिपूर्ण मंचन देख दर्शकों का भरपूर मनोरंजन भी हुआ । महाराज मनु का अभिनय उमेश दीक्षित ने, रावण का अभिनय फ़ालगो प्रसाद द्विवेदी ने ,कुंभकर्ण का अभिनय रवि तिवारी तथा विभीषण का अभिनय ज्ञानेंद्र पाण्डेय एवं मेघनाद का अभिनय योगेश प्यासी ने किया ।

जेएन कालेज में प्रवेश के नाम पर घोटाले का आरोप

- एबीवीपी ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बांदा इकाई ने पं. जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया में हुए कथित भ्रष्टाचार, अवैध वसूली एवं अनियमितताओं के विरोध में शनिवार को जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा को ज्ञापन सौंपा। परिषद ने मांग की कि दोषियों के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए, अन्यथा छात्र आंदोलन और आमरण अनशन करने को बाध्य होंगे। परिषद द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि स्नातक कक्षाओं में 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया बिना किसी सार्वजनिक सूचना के संचालित की गई, जिसमें प्राचार्य की

मिलीभगत से 4000 से 5000 तक की अवैध वसूली की गई। परिषद ने इस पर तत्काल जांच कराने और आरक्षण नियमों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया दोबारा संचालित करने की मांग की। साथ ही, परास्नातक वर्ग में आरक्षण कोटे के अंतर्गत हुए प्रवेश की सूची सार्वजनिक करने तथा रिक्त सीटों पर पारदर्शी रूप से डायरेक्ट प्रवेश देने की भी मांग की गई। एबीवीपी के जिला सह संयोजक कार्तिकेय गुप्ता ने कहा कि ल्लयदि बुधवार तक हमारी सभी मांगे पूरी नहीं होतीं, तो समस्त छात्रशक्ति के साथ आंदोलन एवं आमरण अनशन के लिए बाध्य होंगे।ङ्क समर्थन में छात्रसंघ नेताओं लव सिन्हा और शैलेन्द्र वर्मा ने कहा कि ल्लमहाविद्यालय में छात्रों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय और भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।ङ्क जिलाधिकारी जे. रीभा ने ज्ञापन प्राप्त कर आश्वासन दिया कि प्रकरण की संपूर्ण जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री शिवम पांडे, नीतीश निगम, दीपक गुप्ता, अभय साहू, युवराज सिंह, हरिओम तिवारी, कत्यान सिंह, महक, महिगा, कमल, हर्षित कुशवाहा, सुनील, विनोद, नेहा यादव, आर्यन, खुशपाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अपराधियों की कमर टूटी: गैंगस्टर कोर्ट ने सुनाई सजा

बांदा। गैंगस्टर कोर्ट बांदा ने एक शातिर अपराधी गिरोह के चार सदस्यों को छह माह के कठोर कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्तों को एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। थाना चिल्ला के प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र बहादुर सिंह की रिपोर्ट पर यह मुकदमा पंजीकृत हुआ था। गिरोह के सदस्य आदर्श कुमार, भोला लोधी, सर्वेश, और नरेश निवासी जनपद फतेहपुर, लूट व राहजनी की घटनाओं में सक्रिय थे। गैंग की विवेचना निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने की। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सौरभ सिंह, पैरोकार अभिजीत, कोर्ट मोहर्रिर गौरव दिवाकर एवं जीतेन्द्र कुमार ने प्रभावी पैरवी की। अपर सत्र न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) प्रदीप कुमार मिश्रा ने साक्ष्यों के आधार पर चारों अभियुक्तों को दोषी करार दिया।

विशाल दुर्गा जागरण का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बिछिया-उन्नाव। रविवार रात क्षेत्र के गाँव मंगतखेड़ा स्थित बाला जी धाम पर विशाल दुर्गा जागरण का आयोजन किया गया। जगराते में मनमोहक झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

बाला जी धाम पर दुर्गा जागरण का आयोजन किया गया। जागरण का शुभारंभ दुःख हरण सिंह ने आचार्य द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ माँ ज्वाला देवी की ज्योति प्रज्वलित कर विधिविधान से किया गया। उसके बाद माँ के गुणगान कर्ताओं में दीपक चक्रवर्ती,सरदार गुरुविंदर,शालू शर्मा,खुशबू व शरवेंद्र मिश्रा ने माँ का गुणगान कर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर खूब तालियां बटोरी। साथ ही हर गाने के बाद विभिन्न प्रकार की झांकियों में गणेश जी,राधा कृष्ण जी,विष्णु जी,कृष्ण सुदामा,काली मां,भोलेनाथ की मनमोहक झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान अवधेश दुबे, राजा रघुराज प्रताप, राघवेंद्र ,अभिषेक, भूली, पप्पू, निहाल, सोनल समेत भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

निर्माणाधीन कार्यों एवं परियोजनाओं के निर्माण कार्य को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें: डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सीएम डैशबोर्ड के अन्तर्गत विकास कार्यों एवं सीएमआईएस पोर्टल के अन्तर्गत विकास कार्यों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी श्रीमती जे0 रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेझ्रट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में निर्माणाधीन कार्यों एवं परियोजनाओं के निर्माण कार्य को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें, इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। उन्होंने पर्यटन विभाग द्वारा संचालित की जा रही परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाये जाने के साथ शीघ्र कार्यों को गुणवत्ता के साथा पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होनें कार्यदायी संस्था यूपी सिडको के द्वारा निर्माण किये जा रहे खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला तथा बबेरू बस स्टैण्ड के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने राजकीय स्कूल इंगुवा एवं अम्लीपुर को इसी माह पूर्ण किये जाने के निर्देश युपी सिडको को दिये। लोक निर्माण विभाग द्वारा विधि विज्ञान प्रयोगशाला एवं बबेरू-तिन्दवारी-सुमेरपुर मार्ग के निर्माण कार्य में तेजी लाये जाने तथा पलरा-पैलानी मार्ग, लोमर से चकला मार्ग के कार्य में तेजी लाये जाने के निर्देश दिये।

अपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण ने रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण की समीक्षा कर, व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

बांदा। अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) डा. बी.डी. पाल्सन द्वारा पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा राजेश एस. व पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के साथ पुलिस लाइन बांदा रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर (त्ज्ब) का निरीक्षण किया गया । इस दौरान आरटीसी-2025 बैच के रिक्रूट आरक्षियों के चल रहे प्रशिक्षण की गहन समीक्षा की गई तथा प्रशिक्षण से जुड़ी विभिन्न बुनियादी व्यवस्थाओं और संसाधनों का विस्तृत जायजा लिया गया । अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा निरीक्षण के दौरान परेड ग्राउंड, शिक्षण कक्ष, भोजनालय, बैरक, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा एवं अन्य बुनियादी जरुरतों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारों हेतु स्पष्ट निर्देश दिए गए तथा प्रशिक्षण कर रहे आरक्षियों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए उनके अनुभवों, कठिनाइयों तथा सुझावों को भी गंभीरता से सुना गया । रिक्रूट आरक्षियों के शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, क्लास रूम लेक्चर्स, अभ्यास सत्र एवं मानसिक दक्षता से संबंधित प्रशिक्षण मॉड्यूल की गुणवत्ता की समीक्षा की गई तथा प्रशिक्षकों के साथ गोष्ठी कर निर्देशित किया कि प्रशिक्षण में अनुशासन, समयबद्धता एवं उच्च मानकों को हर स्तर पर प्राथमिकता दी जाए साथ ही प्रशिक्षण को व्यावहारिक और आधुनिक चुनौतियों के अनुकूल बनाया जाए । इस दौरान पर अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी लाइन सुश्री मेविस टाक, क्षेत्राधिकारी सदर राजवीर सिंह गौर, क्षेत्राधिकारी पीयूष कुमार पाण्डेय, प्रतिसार निरीक्षक बांदा बेलास यादव, आरटीसी प्रभारी संजय उपाध्याय आदि उपस्थित रहे ।

जनपद में चलाया गया विशेष सघन बैंक चेकिंग अभियान

बांदा। पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा राजेश एस. के आदेश के क्रम में पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध तथा अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा बैंकों/वित्तीय संस्थानों और उसके आसपास के क्षेत्रों से होने वाली आपराधिक घटनाओं-लूट, छिनैती, चोरी तथा टप्पेबाजी आदि को नियंत्रित करने के लिए आज जनपद में विशेष सघन बैंक/एटीएम/वित्तीय संस्थानों की चेकिंग का अभियान चलाया गया । अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा एटीएम/बैंक शाखाओं व वित्तीय संस्थानों आदि को चेक किया गया ।

इस दौरान एटीएम/बैंकों में लगे सुरक्षा उपकरणों यथा सीसीटीवी कैमरों, आपातकालीन अलार्म तथा अग्निशामक यंत्रों आदि को चेक किया गया तथा आपात स्तिथि में उनकी तैयारियों को भी परखा गया साथ ही 24 घण्टे सीसीटीवी कैमरों को चालू रखने हेतु निर्देशित किया गया । बैंक प्रबन्धकों को सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए एवं बैंक परिसरों के आस-पास संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु निर्देशित किया गया।

हलधरमऊ विकासखंड में खड़ाऊं राज

घूंघट की ओट में सिमटी 35 ग्राम पंचायतों की प्रधानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोंडा। देश में कई दशक पूर्व पंचायती राज अधिनियम के लागू होने के बावजूद जिले के हलधरमऊ विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत अनेकों ग्राम पंचायतों में महिला ग्राम प्रधान अपनी भूमिका को पूरी तरह निभा पाने में असमर्थ हैं। इस तरह से हलधरमऊ क्षेत्र में 35 ग्राम पंचायतों की प्रधानी घर की ड्योढ़ी तक सिमट कर रह गई है। उनका ज्यादातर काम उनके पति या पुत्र प्रधान प्रतिनिधि बनकर निपटाते रहते हैं। जबकि शासन व सरकार की मंशा है कि हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ें लेकिन इस पर पानी फिरता नजर आ रहा है। महिला ग्राम प्रधानों को उनके परिवार के लोग ही आगे नहीं निकलने दे रहे हैं और बाधक बने हुए है। साथ में जिम्मेदार विभागीय अधिकारी व कर्मचारी पंचायती राज अधिनियम को पलीता लगा रहे हैं। इससे सरकार की महिलाओं को सशक्त बनाने की मंशा पर पानी फिरता नजर आ रहा है। हलधरमऊ क्षेत्र की 68 ग्राम पंचायतों में से 35 में महिला ग्राम प्रधान निर्वाचित हैं, जो संख्या के लिहाज से आधे से अधिक है। इनमें सुमन तिवारी (वमडेरा), अरुणिमा देवी (भैरमपुर), रश्मि सिंह (भुलभुलिया), सीमा साह (कैथोला), पुष्पा देवी (खानपुर), उर्मिला (नकहा बसन्त), सुमन सिंह (देवी तिलमहा), इंदू तिवारी (झौंहना), मैशरुन्निशा (मीनापुर), वजबुन्निशा (बरबटपुर), सुरुचि (मलौना), आसमीन (खिंदूरी), कुसमा देवी (अमोढवा), लखपता देवी (बांसगांव), आशा (धमसड़ा), श्रीमती (बटौरा लोहांगी), सुधा सिंह (सिकरी), रेखा तिवारी (मैजापुर), उमा देवी (नगवाकला), राजपति (रेवारी), सीता (सेल्हरी), कमला देवी (नहवा परसौरा), जनकनन्दनी (सोनवार), सविता (दत्तनगर), शबाना (पिपरी रावत), सुमन श्रीवास्तव (बसालतपुर), शान्ति देवी (भटनैया), नूरसबा (अखरेड़ा), आशा सिंह (बालपुर हजारी), सुमन (कस्तूरी), रामावती (गौरवाखुर्द), गीता सिंह (धोबहाराय), वन्दना सिंह (उमरिया), शिखा (पहाड़ापुर) और शीला देवी (कमालपुर) जैसी 35 महिलाएं ग्राम प्रधान हैं। इसके के बावजूद ग्राम पंचायतों व विकासखंड की बैठकों में उनकी भागीदारी न के बराबर है। परिवार के पुरुष सदस्यों द्वारा कार्य संभालने के कारण पंचायती राज अधिनियम का मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा है। सहायक खंड विकास अधिकारी राजेश कुमार वर्मा का कहना है कि महिला ग्राम प्रधानों को प्रोत्साहित करने और उनके दायित्वों के प्रति जागरूक करने के लिए समय-समय पर प्रयास किए जा रहे हैं। फिर भी, सामाजिक और पारिवारिक बाधाएं महिलाओं को स्वतंत्र रूप से नेतृत्व करने से रोक रही हैं। यह स्थिति न केवल महिला सशक्तिकरण की राह में रुकावट है, बल्कि पंचायती राज व्यवस्था की मूल भावना को भी कमजोर कर रही है।

मुकर्रम खान बने मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के जिला सह संयोजक

कुकरा खीरी। राष्ट्रीय संयोजक ठाकुर राजा रईस के दिशा-निर्देश में पूरे प्रदेश में संगठन विस्तार और कार्यकर्ताओं को जोड़ने का कार्य निरंतर चल रहा है। इसी क्रम में संगठन के प्रति मुकर्रम खान की सक्रियता एवं समर्पण को देखते हुए प्रांत संयोजक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ल्लआओ जड़ों से जुड़ेंङ्क शेर अली खान की सहमति पर जिला संयोजक अज्जू खान ने उन्हें जनपद लखीमपुर खीरी का जिला सह संयोजक नियुक्त किया है। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि मुकर्रम खान अपने पद की गरिमा को पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा और सक्रियता के साथ निभाएंगे तथा संगठन को नई दिशा देंगे। संगठन परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

छतौरा गांव में सड़क का निर्माण कार्य शुरू, लोगों में हर्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कर्नलगंज, गोंडा। तहसील क्षेत्र के हलधरमऊ विकास खंड के ग्राम छतौरा में लंबे समय से जर्जर पड़ी सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। वर्षों से खराब सड़क के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, खासकर बरसात के मौसम में जलभराव के चलते स्थिति और बदतर हो जाती थी।

कीचड़ और पानी से भरी सड़क बच्चों, बुजुर्गों और दैनिक यात्रियों के लिए परेशानी का सबब थी। अब इस सड़क को पक्का करने का कार्य शुरू हो गया है, जिसमें नई ईंटों और सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है। कार्य स्थल पर मजदूरों द्वारा तेजी से निर्माण कार्य किया जा रहा है। सड़क के किनारे ईंटों के ढेर और अन्य निर्माण सामग्री व्यवस्थित रूप से रखी गई है,जो कार्य की गति को दर्शाती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस सड़क के बनने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि घरों के सामने गंदगी और जलभराव की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। इससे गांव की स्वच्छता और सौंदर्य में भी वृद्धि होगी। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन के इस कदम की सराहना की और आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय पर पूरा होगा। यह सड़क गांव के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी, जो क्षेत्र के विकास को गति देगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने कुड़ासन बाजार मनकापुर में खाद्य प्रतिष्ठान पर मारा छापा, की कार्यवाही

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोण्डा। आगामी दीपावली त्यौहार पर मिलावटी खोया, पनीर, मिठाई व खाद्य पदार्थों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उ.प्र. लखनऊ द्वारा निर्गत आदेश के अनुपालन में सहायक आयुक्त (खाद्य) गोण्डा के निर्देश पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी गोण्डा संजय कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में खाद्य टीम द्वारा कुड़ासन बाजार, तहसील- मनकापुर, गोण्डा में उपजिलाधिकारी मनकापुर अवनीश त्रिपाठी के नेतृत्व में एक खाद्य प्रतिष्ठान पर छापा मारकर प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए बेसन बूँदी, लड्डू, बेसन पट्टी स्वीट, पेड़ा व छेना के कुल पाँच नमूने जाँच हेतु संकलित किये गये। इस खाद्य प्रतिष्ठान के मालिक दीपक गुप्ता पुत्र श्री फूलचंद्र द्वारा किराये के गोदाम में बगैर फूड लाइसेंस प्राप्त किये खाद्य कारोबार किया जा रहा था। मौके पर बड़ी मात्रा में संदूषित एवं दुर्गंधयुक्त छेना पाया गया। जिसे खाद्य कारोबारकर्ता उपरोक्त की सहमति से विनष्ट कराया गया। विनष्ट किये गये छेना मिठाई की मात्रा 1680 किग्रा है जिसका अनुमानित मूल्य लगभग रू. 300000/- (रूपए तीन लाख रुपये) है। खाद्य कारोबारकर्ता को सख़्त निर्देश देते हुए बिना खाद्य लाइसेंस प्राप्त किए जाने वाले कारोबार को बंद कराया गया।

मनकापुर पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध पटाखों के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गोण्डा। जिले के मनकापुर थाना कोतवाली की पुलिस टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पटाखों के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त लवकुश गुप्ता, पुत्र रामेश्वर प्रसाद गुप्ता निवासी पटेल नगर, थाना कोतवाली मनकापुर को हिरासत में लिया। उसके कब्जे से 10 गत्तों में भरे हुए लगभग 2 कुंतल 20 किलोग्राम विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद किए गए। यह कार्रवाई मनकापुर पुलिस की एक विशेष टीम द्वारा की गई, जो अवैध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त जानकारी के आधार पर मनकापुर पुलिस ने अभियुक्त के घर पर छापेमारी की। इस दौरान लवकुश गुप्ता के घर से भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद किए गए, जो 10 गत्तों में पैक थे। इन पटाखों का वजन लगभग 2 कुंतल 20 किलोग्राम बताया गया है।

मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद के 21 महिलाओं ने आयुक्त के समक्ष रखी अपनी समस्यायें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोण्डा। आयुक्त देवीपाटन मण्डल द्वारा शुरू की गई नई पहल मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद के अंतर्गत सोमवार को आयुक्त कार्यालय में महिलाओं हेतु एक बार पुनः विशेष जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला जनसुनवाई के दौरान दूर दराज से आई 21 महिलाओं ने आयुक्त के सामने उपस्थित होकर अपनी अपनी समस्या बताई। उन्होंने आयुक्त के समक्ष अपनी समस्याओं को विस्तार से रखा। जनसुनवाई में रंजना पाण्डेय, श्यामकली, शबनम, रिचा, मंजू, रूचि तिवारी, अनारकली, मीना, अनीता, रामवती, कान्ती देवी सहित 21 महिलाओं ने अपनी- अपनी समस्याओं को बताया । सभी ने अपनी समस्याओं को सीधे आयुक्त के समक्ष रखकर त्वरित निस्तारण की उम्मीद जताई। आयुक्त ने महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए भरोसा दिलाया कि सभी मामलों का समाधान प्राथमिकता पर किया जाएगा। आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण जल्द से जल्द किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाये। कार्यवाही निष्पक्ष होनी चाहिए। शिकायतकर्ता की शिकायत का निस्तारण मेरिट के आधार किया जाये। मामले के निस्तारण में लापरवाही बिल्कुल बर्दास्त नहीं की जायेगी। प्रत्येक शिकायत का समाधान शीघ्रतम समयावधि में किया जाए, ताकि शिकायतकर्ताओं को समय पर राहत मिल सके। निस्तारण की प्रक्रिया केवल औपचारिक न होकर गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी होनी चाहिए,जिससे शिकायतकर्ता संतुष्ट हों। सभी शिकायतों की जांच पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ की जाए। किसी भी प्रकार की पक्षपातपूर्ण कार्रवाई न हो। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा लापरवाही बरती जाती है, तो उसके विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

45 में से 40 शिकायतों का हुआ निस्तारण

अपर आयुक्त प्रशासन कमलेश चंद्र ने बताया कि पिछले सोमवार को हुई महिला जनसुनवाई के दौरान आये 45 में से 40 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है, जिसमें से 36 निस्तारण संतोषजनक हुए जबकि चार शिकायतों में रिमाइंडर भेज कर संतोषजनक कार्रवाई करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए गए हैं। इस अवसर पर महिला अधिकारी अपर आयुक्त न्यायिक देवीपाटन मीनू राणा तथा उपायुक्त खाद्य देवीपाटन विजय प्रभा भी उपस्थित रहीं। उन्होंने भी जनसुनवाई के दौरान कई महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए। इस विशेष जनसुनवाई ने महिलाओं में यह भरोसा जगाया कि प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर और प्रतिबद्ध है। महिलाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब उन्हें अपनी आवाज उठाने के लिए एक सशक्त मंच मिल गया है।

महिला शक्ति टीम ने महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

धौरहरा खीरी। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत थाना धौरहरा की महिला शक्ति टीम ने सोमवार को कस्बा व थाना क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देना है। अभियान के दौरान महिला शक्ति टीम ने बालिकाओं व महिलाओं को साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, आत्मरक्षा, बाल सुरक्षा और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही टीम ने महिलाओं को गरिमा के विरुद्ध अपराधों से बचाव, सरकारी योजनाओं की जानकारी और महिला हिंसा से संबंधित शिकायतों के निस्तारण हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी उपलब्ध कराई। इस मौके पर महिला शक्ति टीम ने समाज में महिला सम्मान और सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

संकटा देवी से लालपुर बैरियर तक बनेगा 3.65 किमी लंबा फोरलेन मार्ग

- सीडीओ अभिषेक कुमार की पहल रंग लाई, शासन से स्वीकृति, शहर को जाम से मिलेगी बड़ी राहत, विकास को नई गति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर शहर के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक रहा। वर्षों से जाम और ट्रैफिक अव्यवस्था से जूझ रहे शहर को आखिरकार बड़ी राहत मिलने जा रही है। शासन ने संकटा देवी चौराहे से लेकर लालपुर बैरियर तक 3.65 किलोमीटर लंबे, 22 मीटर चौड़े फोरलेन मार्ग के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यही नहीं, इस मार्ग पर शहर की सबसे भीड़भाड़ वाली कृष्णा टॉकीज रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) भी बनेगा। इस मेगा प्रोजेक्ट के पीछे सीडीओ अभिषेक कुमार की दूरदृष्टि और निरंतर प्रयास निर्णायक साबित हुए। उन्होंने शहर के मुख्य मार्ग की स्थिति और जाम की समस्या को शासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया। कई दौर की बैठकें, तकनीकी रिपोर्टें और समन्वय के बाद अंततः शासन से स्वीकृति मिल गई।

कृष्णा टॉकीज क्रॉसिंग पर घंटों लगने वाला जाम अब इतिहास बनने जा रहा है। हजारों वाहन रोज इस चौराहे से गुजरते हैं और अक्सर रेलवे फाटक बंद होने पर लंबी कतारें लग जाती हैं। फोरलेन और आरओबी बनने के बाद न सिर्फ यातायात सुगम होगा, बल्कि शहर के मुख्य मार्गों का दबाव भी घटेगा।

सीडीओ ने किया निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने की तैयारी

शासन से स्वीकृति के बाद सीडीओ अभिषेक कुमार ने सोमवार को अफसरों की टीम के साथ प्रस्तावित मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग पर आने वाले अतिक्रमणों को चिन्हित किया और नगर निकाय, लोक निर्माण विभाग व बिजली विभाग के अफसरों को मिलकर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। सीडीओ ने कहा कि इस परियोजना से शहर की दशा और दिशा दोनों बदलेगी। यह सिर्फ सड़क नहीं, शहर की जीवनरेखा है। लखीमपुर के लोगों को जाम से मुक्ति और सुविधा दोनों मिलेगी। शासन से स्वीकृति मिल चुकी है, अब जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा। बताते चलें कि सीडीओ अभिषेक कुमार ने गत वर्ष ही शहर के एंट्री पॉइंट राजापुर चौराहे से डॉन बॉस्को नहरिया तक फोरलेन परियोजना को भी शासन से स्वीकृति दिलाई थी, जिस पर कार्य तेजी से प्रगति पर है। अब संकटा देवी से लालपुर बैरियर तक फोरलेन की स्वीकृति मिलने से शहर को दोनों छोर से चौड़ी और आधुनिक सड़क नेटवर्क का लाभ मिलेगा।

भगवान चित्रगुप्त की शोभायात्रा का हुआ भव्य स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। बरेली में कायस्थ चेतना मंच द्वारा भगवान चित्रगुप्त की विशाल शोभायात्रा निकाली गई एक दर्जन रथों पर भगवान चित्रगुप्त के परिवार की झांकियां निकाली गईं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, अखिल भारतीय सर्व जातीय महासभा,सदभाव समाज सेवा समिति परिवार,कायस्थ सेना कल्याण परिवार, भगवा परिषद, हिन्दू महासभा, विश्व हिंदू परिषद द्वारा जगह जगह पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर वेद प्रकाश सक्सेना कातिब, डॉक्टर सुबोध अस्थाना, रवि सक्सेना, संतोष उपाध्याय,सुनील सक्सेना मिलन, अश्विनी कमठान, प्रदीप सक्सेना, राजीव सक्सेना,आशीष सक्सेना , शैलेन्द्र सक्सेना शैलू,दीपक राज, विपिन कौसर, रक्ष पाल सिंह, बिट्टू मेहता, महेंद्र राठौर,दिवाकर आर्य आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक का विस्तार, राजेश शुक्ला बने जिला कोषाध्यक्ष

अज़ान खीरी। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक संगठन ने तहसील गोला गोकर्णनाथ के ग्राम अलीपुर में विस्तार किया है। इस दौरान राजेश शुक्ला को जिला कोषाध्यक्ष बनाया गया है। संगठन के जिला अध्यक्ष ने कहा कि वे किसान और मजदूर के हक की आवाज उठाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे, जैसा कि उन्होंने पहले भी कई लड़ाइयां लड़कर किसानों के हक दिलवाए हैं। इस अवसर पर अनुराग मिश्रा, संजीव सिंह, मोहम्मद उस्मान, बृज बिहारी, चांद मोहम्मद, रंजीत आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। संगठन का उद्देश्य किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठाना और उनके हित में काम करना है। संगठन के विस्तार के तहत विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जिनमें राजेश शुक्ला को जिला कोषाध्यक्ष के अलावा अन्य पदाधिकारी भी शामिल हैं। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि वे किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाएंगे और उनके हित में काम करेंगे।

राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष का अंग वस्त्र पहनकर किया गया स्वागत

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर के अंतर्गत ग्राम सभा परेली में ग्राम प्रधान पद प्रत्याशी व समाजसेवी विशाल वर्मा ने राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया का अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया। राकेश कनौजिया ने कहा कि विशाल वर्मा संगठन के पदाधिकारी व अच्छे समाजसेवी भी हैं। इनका सहयोग करना हमारा दायित्व है। ग्राम सभा परेली व झारा सहित आदि कई ग्रामों में राकेश कनौजिया काफी ?वर्चशव हैं। लगभग हर गांव में राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता हैं सभी कार्यकर्ता से कहा कि जो लोग आपके संपर्क में हो उनसे संपर्क करें और विशाल वर्मा को भारी जीत दिलाये। जिला अध्यक्ष के सम्मान समारोह में जिला उपाध्यक्ष अनुज वर्मा,विधानसभा उपाध्यक्ष सोनू बजरंगी,ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान,मीडिया प्रभारी संजय सिंह,मातादीन,करन व दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पड़ोसी ने की जमीन पर कथित अतिक्रमण, पीड़ित ने कोतवाली धौरहरा में दी शिकायत

धौरहरा खीरी। शहर के शुक्लावार्ड क्षेत्र से एक अतिक्रमण का मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी पर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित शिव कुमार, पुत्र भोलानाथ, निवासी शुक्लावार्ड धौरहरा ने कोतवाली धौरहरा में एक शिकायत पत्र देकर पड़ोसी आत्मप्रकाश रस्तोगी पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, दोनों पड़ोसियों के बीच दो फुट चौड़ा किनारा रखने का आपसी समझौता हुआ था। लेकिन आत्मप्रकाश रस्तोगी ने केवल एक फुट का घेरा बनाकर ईंटें रख दीं, जिससे शिव कुमार की निजी संपत्ति पर कथित रूप से अतिक्रमण हो गया। विरोध करने पर आत्मप्रकाश आक्रामक व्यवहार करने लगे और आरोप है कि उन्होंने हंगामा करने के लिए अपने घर की महिलाओं को आगे कर दिया। शिव कुमार ने थाना प्रभारी से मामले की निष्पक्ष जांच कर अतिक्रमण को हटवाने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार हो रहे तनाव के कारण परिवार मानसिक दबाव में है। पुलिस ने मामले की शिकायत प्राप्त कर ली है और उचित जांच का आश्वासन दिया है।

मिदनिया आंगनबाड़ी केंद्र में पोषाहार घोटाले का आरोप, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। विकासखंड ईसानगर की ग्राम पंचायत मिदनिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषाहार वितरण में गड़बड़ी के गंभीर आरोप सामने आए हैं।

वायरल वीडियो में ग्रामीण महिलाओं ने आरोप लगाया है कि केंद्र पर नवजात और छोटे बच्चों को मिलने वाला पोषाहार या तो वितरित नहीं किया जा रहा, या नाम मात्र में देकर कागजों में पूरा वितरण दिखाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दस महीने पूर्व आखिरी बार पोषाहार मिला था। इस माह का पोषाहार अभी तक नहीं मिला है। कई परिवारों ने बताया कि जिन घरों में दो से तीन बच्चे हैं, वहां एक बच्चे को ही थोड़ा-बहुत पोषाहार देकर बाकी बच्चों का नाम कागजों में चढ़ा दिया जाता है। गांव की जानकी, रेखा, पम्मी, उषा, सोनी, बसंती, रिंकी, आरती, पार्वती, बृजरानी सहित कई महिलाओं ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महीने में मुश्किल से एक बार केंद्र आती है और पोषाहार वितरण के नाम पर खानापूर्ति करती है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित एक्स व सुपरवाइजर को शिकायतें करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों की शह पर यह भ्रष्टाचार चल रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) से मांग की है कि मिदनिया आंगनबाड़ी केंद्र की पिछले दो वर्षों की पोषाहार वितरण रिपोर्ट की जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

अवैध पटाखों के साथ युवक गिरफ्तार

मोहम्मदी खीरी। थाना मोहम्मदी पुलिस ने अवैध पटाखों की बड़ी खेप के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब दो हजार देशी पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देश पर चल रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी मोहम्मदी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक थाना मोहम्मदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम मगदापुर निवासी रवीस पुत्र माखनलाल को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से एक सफ़ेद प्लास्टिक के बोरे में भरे करीब 2000 अदद तिकोने देशी अवैध पटाखे बरामद हुए। इस संबंध में थाना मोहम्मदी में मुकदमा संख्या 693/2025 धारा 5/9(बी) विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्यवाही के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विश्वनाथ मिश्र, कांस्टेबल बृजेश कुमार एवं अनूप कुमार शामिल रहे।

रामलीला में दशरथ-कैकई संवाद और राम वनवास का मंचन, दर्शकों की आंखें हुईं नम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। तहसील गोला क्षेत्र के कस्बा अजान में चल रही ऐतिहासिक रामलीला में छठवें दिन सोमवार को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक नाटक पार्टी के कलाकारों द्वारा दशरथ-कैकई संवाद, राम वनवास आदि का मंचन हुआ। रामलीला देखने के लिए देर शाम तक लोगों की भीड़ जुटी रही।

लीला में दिखाया गया कि चक्रवर्ती सम्राट राजा दशरथ ने चारों पुत्रों के विवाह के पश्चात राम के राज्याभिषेक की घोषणा कर दी। इसी बीच राजा दशरथ को सूचना मिलती है कि महारानी कैकेई नाराज होकर कोप भवन में चली गई हैं। यह सुनकर परेशान दशरथ कारण जानने सीधे कोप भवन पहुंचते हैं और कैकेई से शुभ घड़ी में रुठने की वजह पूछते हैं। कैकेई राम के राजतिलक का विरोध करती हैं। कैकई ने मंथरा के भड़काने पर एक युद्ध के दौरान दिए हुए वचन की याद दिलाते हुए राजा दशरथ से भरत को राजगद्दी और राम को चौदह वर्ष का वनवास मांगती हैं। कैकई के वरदान मांगने के बाद भगवान राम, भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता के साथ वनवास को चले गए। वहीं राजा दशरथ केवल राम-राम की रट लगाते रहते हैं। उनका करुण क्रंदन सुनकर मौजूद दर्शकों की आंखें नम हैं। इसके साथ ही 'राम-राम कही राम कही, राम-राम कहि राम, तनु परिहरि रघुवर विरह, राउ गयउ सुरधाम कहते हुए राजा दशरथ ने देह त्याग दिया। समूचा राजमहल विलाप की ध्वनि से गूंजने लगता है। गुरु वशिष्ठ आकर सभी को सांत्वना देते हैं। भरत जी को सूचना देकर बुलाया जाता है। जब भरत जी आते हैं और पूरा वृतांत सुनते ही अपनी माता पर क्रोधित हो जाते हैं। इस प्रसंग का संजीव मंचन कर कलाकारों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर मेला कमेटी अध्यक्ष मिटठनलाल शर्मा, प्रधान विपिन यादव, साधन सहकारी समिति अध्यक्ष पंकज वर्मा, विनीत यादव, जनार्दन सक्सेना, रंजीत यादव, हरिओम यादव, हंस राम वर्मा, गोपाली, सतीश शर्मा, राम सेवक सक्सेना, आशीष कुमार कश्यप सहित तमाम दर्शक उपस्थित रहे।

दूसरे टेस्ट में जीत के लिए भारत को 58 रनों की दरकार

नयी दिल्ली। कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह (तीन-तीन) के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन के शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन सोमवार को स्टंप के समय एक विकेट पर 63 रन बना लिये और उसे अभी जीत के लिए 58 रनों की दरकार है। उसके पास अभी नौ विकेट शेष हैं। चायकाल के बाद जस्टिन ग्रीव्स ने अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 85 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 50 रन बनाये। 119वें ओवर की पांचवी गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने जेडेन सील्स (32) को आउट कर 390 के स्कोर पर फालोऑन खेल रही वेस्टइंडीज की दूसरी पारी का अंत किया। भारत को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। जस्टिन ग्रीव्स और जेडेन सील्स ने 10वें विकेट के लिए 79 रन जोड़े। इस जोड़ी ने 22 से अधिक ओवरों तक मिलकर बल्लेबाजी की। इसके बाद 121 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने नौ रन बनाये थे कि दूसरे ओवर में जोमेल वारिकन ने यशस्वी जयसवाल (आठ) को एंडरसन फिलीप के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पहला झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये साई सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए रन जोड़े। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ने एक विकेट पर 63 रन बना लिये है और उसे जीत के लिए 58 रनों की जरूरत है। केएल राहुल (नाबाद 25) और साई सुदर्शन (नाबाद 30) क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले शाई होप ने भोजनकाल के बाद अपना शतक पूरा किया। इसके कुछ देर बाद मोहम्मद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। शाई होप ने 214 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाते हुए 103 रनों की पारी खेली। यह शाई होप ने टेस्ट करियर का तीसरा और भारत के खिलाफ यह उनका पहला टेस्ट शतक था। होप के बल्ले से आठ साल के इंतजार के बाद यह शतक आया है। उन्होंने आखिरी बार 2017 में शतक लगाया था। इसके बाद कुलदीप यादव ने टेविन इमलाक (12), कप्तान रोस्टन चेज (40) और खारी पिएर (शून्य) को अपना शिकार बनाया।

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ – 2025

दीपावली एवं छठ पूजा त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

उत्तर रेलवे नेटवर्क से यात्रा प्रारम्भ करने वाली/समाप्त करने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृत्ति	चलने के दिन	चलने की तिथि
02252	नई दिल्ली (वंदे भारत त्यौहार विशेष)	08:35	पटना जं.	21:30	सप्ताह में तीन दिन	सोमवार, बुधवार, शनिवार	15.11.25 तक
02251	पटना जं.	10:00	नई दिल्ली	23:30		मंगलवार, बृहस्पतिवार, रविवार	16.11.25 तक
02253	पटना जं. (वंदे भारत त्यौहार विशेष)	10:00	नई दिल्ली	23:30	सप्ताह में तीन दिन	शनिवार, सोमवार, बुधवार	17.11.25 तक
02254	नई दिल्ली	08:35	पटना जं.	21:30		रविवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार	16.11.25 तक
04203	लखनऊ	08:05	नई दिल्ली	18:30	साप्ताहिक	सोमवार	24.11.2025 तक
04204	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ	06:35			
04008	आनन्द विहार (टर्मिनल)	08:30	जोगबनी	17:00	साप्ताहिक	शनिवार	29.11.2025 तक
04007	जोगबनी	18:30	आनन्द विहार (टर्मिनल)	03:00		रविवार	30.11.2025 तक
04010	दिल्ली जं.	23:05	सीतामढ़ी	22:30	साप्ताहिक	बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
04009	सीतामढ़ी	23:55	दिल्ली जं.	23:58		शुक्रवार	28.11.2025 तक
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर जं.	05:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	28.11.2025 तक
04021	गोरखपुर जं.	07:00	नई दिल्ली	23:10		शनिवार	29.11.2025 तक
04060	आनन्द विहार (टर्मिनल)	09:00	जयनगर	07:30	साप्ताहिक	बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
04059	जयनगर	10:00	आनन्द विहार (टर्मिनल)	08:40		शुक्रवार	28.11.2025 तक
04070	आनन्द विहार (टर्मिनल)	00:20	राजगीर	19:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	28.11.2025 तक
04069	राजगीर	23:30	आनन्द विहार (टर्मिनल)	19:00			
04064	दिल्ली जं.	11:00	भागलपुर	10:30	साप्ताहिक	मंगलवार	25.11.2025 तक
04063	भागलपुर	13:40	दिल्ली जं.	15:30		बुधवार	26.11.2025 तक
04525	सहारनपुर जं.	04:40	अम्बाला कैंट	06:45	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
04526	अम्बाला कैंट	20:20	सहारनपुर जं.	22:30			
04219	शाहगंज	22:35	अयोध्या धाम	01:40	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
04220	अयोध्या धाम	02:10	शाहगंज	04:40			
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा जं.	16:30	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
04449	दरभंगा जं.	18:15	नई दिल्ली	23:00			01.12.2025 तक
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी जं.	23:30	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
04453	मानसी जं.	01:10	नई दिल्ली	03:00			02.12.2025 तक
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद जं.	02:20	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
04455	धनबाद जं.	04:00	नई दिल्ली	06:00			02.12.2025 तक
04458	आनन्द विहार (टर्मिनल)	13:40	भागलपुर	14:30	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
04457	भागलपुर	18:00	आनन्द विहार (टर्मिनल)	22:00			01.12.2025 तक
04016	आनन्द विहार (टर्मिनल)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
04015	सीतामढ़ी	16:30	आनन्द विहार (टर्मिनल)	18:15			01.12.2025 तक
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	21:30	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	19.12.2025 तक
04451	हावड़ा जं.	23:50	नई दिल्ली	04:10			20.12.2025 तक
04094	हज़रत निज़ामुद्दीन जं.	11:00	पटना जं.	05:00	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	29.11.2025 तक
04093	पटना जं.	07:45	हज़रत निज़ामुद्दीन जं.	00:45			30.11.2025 तक
04096	आनन्द विहार (टर्मिनल)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	29.11.2025 तक
04095	पाटलिपुत्र	00:30	आनन्द विहार (टर्मिनल)	21:30			30.11.2025 तक
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड जं.	12:00	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	29.11.2025 तक
04097	हसनपुर रोड जं.	15:00	नई दिल्ली	18:30			30.11.2025 तक
02877	रांची जं.	23:55	आनन्द विहार (टर्मिनल)	03:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	17.10.25 से 31.10.25
02878	आनन्द विहार (टर्मिनल)	04:00	रांची जं.	05:00		रविवार	19.10.25 से 02.11.25
04504	चंडीगढ़ जं.	23:35	पटना जं.	21:00	साप्ताहिक	बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
04503	पटना जं.	23:00	चंडीगढ़ जं.	23:10		शुक्रवार	28.11.2025 तक
04608	अमृतसर जं.	09:40	छपरा जं.	09:00	साप्ताहिक	रविवार	30.11.2025 तक
04607	छपरा जं.	12:00	अमृतसर जं.	13:30		सोमवार	01.12.2025 तक
05314	गोमती नगर	00:15	महबूबनगर	19:10	साप्ताहिक	रविवार	02.11.2025 तक
05313	महबूबनगर	22:10	गोमती नगर	15:00		सोमवार	03.11.2025 तक
05017	मऊ जं.	05:30	उधना जं.	12:00	साप्ताहिक	शनिवार	01.11.2025 तक
05018	उधना जं.	15:00	मऊ जं.	22:30		रविवार	02.11.2025 तक
05115	छपरा जं.	17:45	उधना जं.	07:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	28.11.2025 तक
05116	उधना जं.	10:00	छपरा जं.	23:00		रविवार	30.11.2025 तक
05736	कटिहार जं.	21:00	अमृतसर जं.	09:45	साप्ताहिक	बुधवार	05.11.2025 तक
05735	अमृतसर जं.	13:25	कटिहार जं.	23:45		शुक्रवार	07.11.2025 तक
04090	आनन्द विहार (टर्मिनल)	14:25	पटना जं.	11:00	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	29.11.2025 तक
04089	पटना जं.	18:20	आनन्द विहार (टर्मिनल)	14:50			30.11.2025 तक
04217	वाराणसी जं.	06:25	लखनऊ	11:45	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
04218	लखनऊ	16:30	वाराणसी जं.	21:50			
04221	वाराणसी जं.	20:40	बठिण्डा जं.	17:00	सप्ताह में दो दिन	मंगलवार, शुक्रवार	28.11.2025 तक
04222	बठिण्डा जं.	20:50	वाराणसी जं.	18:00		बुधवार, शनिवार	29.11.2025 तक
04224	वाराणसी जं.	14:50	चण्डीगढ़	08:30	सप्ताह में तीन दिन	सोम, बुध, शुक्र	28.11.2025 तक
04223	चण्डीगढ़	09:30	वाराणसी जं.	04:00		मंगल, बृहस्पति, शनि	29.11.2025 तक
05742	न्यू जलपाईगुड़ी	07:00	गोमती नगर	07:15	साप्ताहिक	रविवार	02.11.2025 तक
05741	गोमती नगर	09:40	न्यू जलपाईगुड़ी	09:25		सोमवार	03.11.2025 तक
05734	किशनगंज	09:10	अमृतसर जं.	00:10	साप्ताहिक	बृहस्पतिवार	13.11.2025 तक
05733	अमृतसर जं.	04:25	किशनगंज	17:30		शनिवार	15.11.2025 तक
05325	गोमती नगर	00:15	लोकमान्य तिलक (ट.)	05:50	साप्ताहिक	शनिवार	01.11.2025 तक
05326	लोकमान्य तिलक (ट.)	07:55	गोमती नगर	10:45		रविवार	02.11.2025 तक
05023	गोमती नगर	23:55	खातीपुरा	17:30	साप्ताहिक	मंगलवार	04.11.2025 तक
05024	खातीपुरा	18:50	गोमती नगर	11:45		बुधवार	05.11.2025 तक
04195	आगरा कैंट	05:00	जोगबनी	18:45	साप्ताहिक	शुक्रवार	28.11.2025 तक
04196	जोगबनी	21:00	आगरा कैंट	07:10		शनिवार	29.11.2025 तक
08763	दुर्ग जं.	07:20	सुल्तानपुर जं.	07:00	साप्ताहिक	शनिवार	29.11.2025 तक
08764	सुल्तानपुर जं.	10:00	दुर्ग जं.	12:50		रविवार	30.11.2025 तक
01491	पुणे जं.	17:30	हज़रत निज़ामुद्दीन	20:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	28.11.2025 तक
01492	हज़रत निज़ामुद्दीन	21:25	पुणे जं.	23:55		शनिवार	29.11.2025 तक
01079	छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.)	22:30	गोरखपुर जं.	10:00	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
01080	गोरखपुर जं.	14:30	छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.)	00:40			02.12.2025 तक
03107	कोलकाता	23:55	लखनऊ	00:10	साप्ताहिक	बृहस्पतिवार	06.11.2025 तक
03108	लखनऊ	01:40	कोलकाता	00:40		शनिवार	08.11.2025 तक
03435	मालदा टाउन	09:30	आनंद विहार (ट.)	13:40	साप्ताहिक	सोमवार	24.11.2025 तक
03436	आनंद विहार (ट.)	15:45	मालदा टाउन	21:05		मंगलवार	25.11.2025 तक
02391	पटना जं.	22:20	आनंद विहार (ट.)	18:30	साप्ताहिक	शनिवार	29.11.2025 तक
02392	आनंद विहार (ट.)	23:20	पटना जं.	17:20		रविवार	30.11.2025 तक
09083	मुंबई सेंट्रल	23:10	बनारस	10:30	साप्ताहिक	बुधवार	05.11.2025 तक
09084	बनारस	14:30	मुंबई सेंट्रल	04:20		शुक्रवार	07.11.2025 तक
09111	वडोदरा जं.	19:00	गोरखपुर जं.	23:30	साप्ताहिक	शनिवार	29.11.2025 तक
09112	गोरखपुर जं.	05:00	वडोदरा जं.	08:00		सोमवार	01.12.2025 तक
04687	बनिहाल	18:40	बडगाम	20:20	सप्ताह में छः दिन	शुक्रवार को छोड़कर	02.12.2025 तक
04688	बडगाम	08:35	बनिहाल	10:40			
09639	मदार जं.	04:30	रोहतक जं.	12:50	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
09640	रोहतक जं.	13:20	मदार जं.	22:35			
09523	ओखा	10:00	शकूर बस्ती	18:35	साप्ताहिक	मंगलवार	25.11.2025 तक
09524	शकूर बस्ती	13:15	ओखा	13:50		बुधवार	26.11.2025 तक
01415	पुणे जं.	06:50	गोरखपुर जं.	16:00	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	30.11.2025 तक
01416	गोरखपुर जं.	17:30	पुणे जं.	03:15			01.12.2025 तक
05301	मऊ जं.	04:00	अंबाला छावनी जं.	00:30	साप्ताहिक	बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
05302	अंबाला छावनी जं.	01:40	मऊ जं.	22:00		शुक्रवार	28.11.2025 तक
05005	बढ़नी	15:10	अमृतसर	09:30	साप्ताहिक	बुधवार	26.11.2025 तक
05006	अमृतसर	12:45	बढ़नी	08:15		बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
01707	जबलपुर	14:15	आनंद विहार (ट.)	12:25	साप्ताहिक	सोमवार	03.11.2025 तक
01708	आनंद विहार (ट.)	13:45	जबलपुर	09:30		मंगलवार	04.11.2025 तक
01431	पुणे जं.	06:40	गाज़ीपुर सिटी	19:40	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार, मंगलवार	28.11.2025 तक
01432	गाज़ीपुर सिटी	22:40	पुणे जं.	16:20		शनिवार, बुधवार	29.11.2025 तक
01123	लोकमान्य तिलक (ट.)	12:15	मऊ जं.	05:35	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार, रविवार	30.11.2025 तक
01124	मऊ जं.	07:35	लोकमान्य तिलक (ट.)	22:20		रविवार, मंगलवार	02.12.2025 तक
01051	लोकमान्य तिलक (ट.)	12:15	बनारस	01:10	सप्ताह में दो दिन	बुधवार, बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
01052	बनारस	06:35	लोकमान्य तिलक (ट.)	16:40		शुक्रवार, शनिवार	29.11.2025 तक
09061	बांद्रा (ट.)	21:20	बरौनी जं.	19:15	साप्ताहिक	सोमवार	24.11.2025 तक
09062	बरौनी जं.	12:15	बांद्रा (ट.)	06:30		बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
09257	भावनगर	13:50	शकूर बस्ती	10:35	साप्ताहिक	शुक्रवार	28.11.2025 तक
09258	शकूर बस्ती	13:15	भावनगर	10:45		शनिवार	29.11.2025 तक
02417	प्रयागराज	21:35	दिल्ली जं.	08:55	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार, शनिवार	29.11.2025 तक
02418	दिल्ली जं.	09:30	प्रयागराज	19:40		शनिवार, रविवार	30.11.2025 तक
02275	सूबेदारगंज	21:40	दिल्ली जं.	08:55	साप्ताहिक	बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
02276	दिल्ली जं.	09:30	सूबेदारगंज	19:35		शुक्रवार	28.11.2025 तक
05047	बनारस	10:45	कोलकाता	05:25	साप्ताहिक	मंगलवार	04.11.2025 तक
05048	कोलकाता	08:25	बनारस	04:15		बुधवार	05.11.2025 तक
09309	इंदौर जं.	17:00	हज़रत निज़ामुद्दीन	05:00	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार, रविवार	30.11.2025 तक
09310	हज़रत निज़ामुद्दीन	08:20	इंदौर जं.	21:00		शनिवार, सोमवार	01.12.2025 तक
09095	बांद्रा (ट.)	11:00	अयोध्या कैंट	17:30	साप्ताहिक	बुधवार	19.11.2025 तक
09096	अयोध्या कैंट	21:00	बांद्रा (ट.)	06:00		बृहस्पतिवार	20.11.2025 तक
09097	बांद्रा (ट.)	21:50	लुधियाना जं.	00:30	साप्ताहिक	रविवार	30.11.2025 तक
09098	लुधियाना जं.	04:00	बांद्रा (ट.)	10:20		मंगलवार	02.12.2025 तक
07095	चर्लपल्ली	07:40	हज़रत निज़ामुद्दीन	16:00	सप्ताह में दो दिन	मंगलवार, बृहस्पतिवार	16.10.25 तक
07096	हज़रत निज़ामुद्दीन	19:00	चर्लपल्ली	04:00		बुधवार, शुक्रवार	17.10.25 तक
03255	पटना जं.	22:20	आनंद विहार (ट.)	18:35	सप्ताह में दो दिन	रविवार, बृहस्पतिवार	अगले आदेश तक
03256	आनंद विहार (ट.)	23:30	पटना जं.	18:35		सोमवार, शुक्रवार	अगले आदेश तक
05049	छपरा	10:15	अमृतसर	13:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	अगले आदेश तक
05050	अमृतसर	17:45	छपरा	23:55		शनिवार	अगले आदेश तक
05057	गोरखपुर जं.	22:45	दिल्ली जं.	12:50	साप्ताहिक	बृहस्पतिवार	16.10.25 से अगले आदेश तक
05058	दिल्ली जं.	14:00	गोरखपुर जं.	06:25		शुक्रवार	अगले आदेश तक
03257	दानापुर	07:30	आनंद विहार (ट.)	08:30	साप्ताहिक	रविवार	30.11.2025 तक
03258	आनंद विहार (ट.)	05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	01.12.2025 तक
05219	मुजफ्फरपुर जं.	13:30	आनंद विहार (ट.)	10:00	साप्ताहिक	शनिवार	18.10.25 से 29.11.25
05220	आनंद विहार (ट.)	12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45		रविवार	19.10.25 से 30.11.25
03697	गया जं.	14:15	दिल्ली जं.	07:45	सप्ताह में पाँच दिन	रवि, बृहस्पति को छोड़कर	29.11.2025 तक
03698	दिल्ली जं.	08:55	गया जं.	08:30		सोम, शुक्र को छोड़कर	30.11.2025 तक
03311	धनबाद जं.	23:50	चंडीगढ़	04:30	सप्ताह में दो दिन	मंगलवार, शुक्रवार	28.11.2025 तक
03312	चंडीगढ़	06:00	धनबाद जं.	09:00		बृहस्पतिवार, रविवार	30.11.2025 तक
05579	पूर्णिया कोर्ट	16:30	आनंद विहार (ट.)	08:30	सप्ताह में चार दिन	सोम, मंगल, शुक्र, रवि	15.12.2025 तक
05580	आनंद विहार (ट.)	05:15	पूर्णिया कोर्ट	13:45		बुध, बृहस्पति, शुक्र, रवि	17.12.2025 तक
05575	सहरसा जं.	20:00	आनंद विहार (ट.)	08:30	साप्ताहिक	बुधवार	10.12.2025 तक
05576	आनंद विहार (ट.)	05:15	सहरसा जं.	18:30		मंगलवार	16.12.2025 तक
01493	पुणे जं.	17:30	हज़रत निज़ामुद्दीन	20:00	सप्ताह में दो दिन	सोमवार, बृहस्पतिवार	13.11.2025 तक
01494	हज़रत निज़ामुद्दीन	21:25	पुणे जं.	23:55		मंगलवार, शुक्रवार	14.11.2025 तक
04312	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	सियालदह	23:00	साप्ताहिक	शनिवार	15.11.25 तक
04311	सियालदह	05:00	योग नगरी ऋषिकेश	12:00		सोमवार	17.11.25 तक
04314	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	मुजफ्फरपुर जं.	11:20	सप्ताह में दो दिन	बृहस्पतिवार, रविवार	30.11.25 तक
04313	मुजफ्फरपुर जं.	14:00	योग नगरी ऋषिकेश	11:15		शुक्रवार, सोमवार	01.12.25 तक
05305	छपरा	22:00	आनंद विहार (ट.)	00:20	सप्ताह में दो दिन	सोमवार, बृहस्पतिवार	अगले आदेश तक (20.10.25 को निरस्त)
05306	आनंद विहार (ट.)	00:20	छपरा	22:50		बुधवार, शनिवार	अगले आदेश तक (22.10.25 को निरस्त)
05625	कामाख्या	22:00	रोहतक	14:45	साप्ताहिक	शुक्रवार	07.11.2025 तक
05626	रोहतक	22:10	कामाख्या	15:30		रविवार	09.11.2025 तक
02397	गया जं.	14:15	आनंद विहार (ट.)	07:10	साप्ताहिक	रविवार	30.11.25 तक
02398	आनंद विहार (ट.)	08:20	गया जं.	08:30		सोमवार	01.12.25 तक
05283	मुजफ्फरपुर जं.	06:30	आनंद विहार (ट.)	05:00	सप्ताह में दो दिन	बुधवार, शनिवार	29.11.25 तक
05284	आनंद विहार (ट.)	07:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:50		बृहस्पतिवार, रविवार	30.11.25 तक
03309	धनबाद जं.	10:10	दिल्ली जं.	09:15	सप्ताह में दो दिन	मंगलवार, शनिवार	29.11.25 तक
03310	दिल्ली जं.	11:45	धनबाद जं.	13:00		बुधवार, रविवार	30.11.25 तक
03639	गया जं.	22:00	दिल्ली जं.	17:00	सप्ताह में तीन दिन	रवि, मंगल, बृहस्पति	30.11.25 तक
03640	दिल्ली जं.	19:00	गया जं.	11:30		सोम, बुध, शुक्र	01.12.25 तक
03221	राजगीर	14:00	आनंद विहार (ट.)	13:30	साप्ताहिक	सोमवार	24.11.25 तक
03222	आनंद विहार (ट.)	16:00	राजगीर	16:45		मंगलवार	14.10.25 से 25.11.25
03223	राजगीर	04:05	हरिद्वार	05:15	साप्ताहिक	शुक्रवार	26.12.25 तक
03224	हरिद्वार	07:20	राजगीर	07:15		शनिवार	27.12.25 तक
07363	हुबली जं.	20:30	योग नगरी ऋषिकेश	23:30	साप्ताहिक	सोमवार	अगले आदेश तक
07364	योग नगरी ऋषिकेश	06:15	हुबली जं.	06:30		बृहस्पतिवार	16.10.25 से अगले आदेश तक
06597	यशवंतपुर जं.	07:00	योग नगरी ऋषिकेश	10:20	साप्ताहिक	बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
06598	योग नगरी ऋषिकेश	17:55	यशवंतपुर जं.	19:45		शनिवार	29.11.2025 तक
08760	दुर्ग	10:45	हज़रत निज़ामुद्दीन	11:10	साप्ताहिक	रविवार	23.11.2025 तक
08761	हज़रत निज़ामुद्दीन	12:30	दुर्ग	15:00		सोमवार	24.11.2025 तक
07023	चर्लपल्ली	20:45	हज़रत निज़ामुद्दीन	02:00	साप्ताहिक	रविवार	30.11.2025 तक
07024	हज़रत निज़ामुद्दीन	04:00	चर्लपल्ली	06:30		मंगलवार	02.12.2025 तक
07077	चर्लपल्ली	05:00	देहरादून	19:20	साप्ताहिक	मंगलवार	25.11.2025 तक
07078	देहरादून	07:00	चर्लपल्ली	22:30		बृहस्पतिवार	27.11.2025 तक
01483	पुणे जं.	17:30	हज़रत निज़ामुद्दीन	20:00	सप्ताह में दो दिन	मंगलवार, शनिवार	29.11.2025 तक
01484	हज़रत निज़ामुद्दीन	22:10	पुणे जं.	23:55		बुधवार, रविवार	30.11.2025 तक
04123	प्रयागराज जं.	14:50	हज़रत निज़ामुद्दीन	11:35	सप्ताह में दो दिन	बुधवार, रविवार	15.10.25 से 02.11.25
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन	15:45	प्रयागराज जं.	09:10		वीरवार, सोमवार	16.10.25 से 03.11.25
09003	मुम्बई सेन्ट्रल	10:30	शकूर बस्ती	08:00	प्रतिदिन	सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, रवि	15.10.25 से 31.10.25
09004	शकूर बस्ती	10:15	मुम्बई सेन्ट्रल	10:30			16.10.25 से 01.11.25
09425	साबरमती जं.	08:50	हरिद्वार जं.	05:30	सप्ताह में दो दिन	बुधवार, शनिवार	15.10.25 से 29.11.25
09426	हरिद्वार जं.	21:40	साबरमती जं.	21:30		वीरवार, रविवार	16.10.25 से 30.11.25

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कर्नाटक से प्लास्टिक की निर्मित आकर्षक सजावटी झालरों एवं झूमरों को बेचने पहुंचा जत्था

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। दीपावली पर्व के मद्देनजर प्लास्टिक से निर्मित सुन्दर सजावटी फूल, झालरों की विक्री करने लिए कर्नाटक का एक जत्था शहर में पहुंच चुका है। प्रयागराज शहर के विभिन्न मार्गो के किनारे दुकान लगाए हुए हैं। आकर्षक सुनहरे रंग बिरंगे फूलों के हार, दुकानों से सजावटी झालरे खरीद रहें है। कर्नाटक के शिमोगा जनपद के सदाशिवापुरा निवासी जय कुमार ने बताया कि गणपति महोत्सव से घर की महिलाएं और पुरुष सभी बैंगलोर शहर में बनने वाले विभिन्न प्रकार के डिजाइन एवं रंगों के प्लास्टिक से तैयार फूल लाते और उसे घरों में आकर्षक ढंग से लड़ी तैयार करते है। जब यह तैयार हो जाता है तो दीपावली से लगभग 15 दिन पूर्व देश के विभिन्न प्रदेशों एवं जिलों में अपना माल बेचने के लिए जाते है। प्रयागराज शहर में शिमोगा जिले के सदाशिवापुरा गांव से महिला एवं पुरुष कुल 34 लोग एक साथ एक ट्रक में अपना माल लोड कर आए हुए है। सभी लोग शहर के विभिन्न चौराहों के किनारे और ग्रामीण क्षेत्रों में भी सजावटी फूल बेच रहें है। दीपावली की शाम तक अपना सामान बेचने के बाद वे अपने गांव वापस चले जाएगे। इस कार्य से सभी परिवारों का पूरे सालभर का खर्च चलता है।

मारपीट के मामले में पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप, नाराज दंपति ने मकान बिकाऊ का पोस्टर चस्पा किया

मुरादाबाद। मुरादाबाद के थाना बिलारी कोतवाली क्षेत्र में एक दंपति ने मारपीट के मामले में पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए मकान बिकाऊ का पोस्टर चस्पा कर गांव से पलायन की धमकी दी है। पीड़ित दंपति का कहना है कि उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायती पत्र देकर आरोपितों पर कार्रवाई की गुहार लगाई थी, लेकिन नतीजा सिफर रहा। बिलारी क्षेत्र के गांव सिहारी ल?द्दा निवासी ममता ने 22 सितंबर को दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि गांव निवासी पुष्पेंद्र दिल्ली में शादी समारोह में ठेकेदारी करता है। वह छह माह पहले पति किशन और बेटे शिवम (16) को अपने साथ काम कराने दिल्ली ले गया। तीन माह तक काम करने के बाद भी ठेकेदार पुष्पेंद्र ने शिवम को मजदूरी नहीं दी। महिला ममता का आरोप है कि लगभग तीन माह पहले वह जब ठेकेदार के घर बेटे की बकाया मजदूरी लेने गई तो ठेकेदार व उसके परिजनों ने उसके साथ मारपीट की। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ममता का आरोप है कि रविवार की सुबह दोबारा आरोपितों ने उसके घर आकर मारपीट करते हुए धमकी दी। जब उसने डायल 112 पर फोन कर पुलिस बुलाई तो पुलिस कर्मियों ने कहा कि तुम अपना मकान बेचकर कहीं चली जाओ। पुलिस के आरोपितों के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने से परेशान होकर अब उसने मकान बिकाऊ का पोस्टर लगाया है। थाना बिलारी प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने सोमवार को बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपित पुष्पेंद्र के खिलाफ 22 सितंबर को मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच के बाद मुकदमे में चार्जशीट लगा दी है। बाद में पीड़िता की शिकायत पर आरोपित पुष्पेंद्र और उसके भाई जसवंत का शांतिभंग में चालान भी किया जा चुका है। पुलिस द्वारा दिलाई बरतने के ममता के आरोप निराधार हैं।

वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर किसान धनिया की खेती में बढ़ा सकते हैं आमदनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी के उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के बागान, मसाले, औषधीय एवं सगंध पादप विभाग के वैज्ञानिक डॉ. उमेश, पंकज औरं डॉ. विनोद कुमार ने किसानों को धनिया की खेती के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने बताया कि इन वैज्ञानिक तकनीक को अपनाकर किसान धनिया की खेती से आमदनी बढ़ा सकते हैं।

विशेषज्ञों ने बताया कि मध्य अक्टूबर से मध्य नवम्बर तक धनिया की बोआई के लिए उपयुक्त समय है। धनिया एक ऐसी फसल है जो कम लागत में अधिक लाभ प्रदान करती है। इसका उपयोग मसाले, औषधि तथा हरी पत्तेदार सब्ज़ी के रूप में किया जाता है, जिससे इसकी मांग पूरे वर्ष बनी रहती है। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड की जलवायु धनिया की खेती के लिए अत्यंत अनुकूल है। इस क्षेत्र के लिए किसान भाई आरसीआर-41, अजमेर धनिया-1, अजमेर धनिया-2 तथा पंत हरितमा जैसी प्रमुख किस्मों का चयन करें। बीज दरः बीज उत्पादन के लिए 10-15 किग्रा/हेक्टेयर, जबकि हरी पत्ती उत्पादन के लिए 20-25 किग्रा/हेक्टेयर बीज उपयुक्त रहता है। बुवाई से पहले बीजों को हल्के दबाव से दो भागों में तोड़कर ट्राइकोडर्मा या कार्बेन्डाजिम से उपचारित करना चाहिए। बुवाई तकनीकः कतार से कतार की दूरी 30 सेमी और गहराई 2-3 सेमी उचित रहती है। खेत की तैयारी के समय गोबर की खाद के साथ नाइट्रोजन 40, फास्फोरस 25 और पोटाश 20 किग्रा/हेक्टेयर देना चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा बुवाई के समय और शेष पहली सिंचाई के साथ दें। यदि मिट्टी में नमीं की कमी हो तो किसान भाई पलेवा करने के बाद बुवाई करें, जिससे अच्छा अंकुरण प्राप्त होता है। अंकुरण के बाद हल्की सिंचाई करें और ठंड के मौसम में हर 20-25 दिन पर सिंचाई करते रहें। ध्यान रखें कि खेत में पानी का जमाव न हो, अन्यथा जड़ सड़न की समस्या हो सकती है। विशेषज्ञों ने बताया कि उचित प्रबंधन और समय पर सिंचाई से किसान भाई धनिया की दो बार हरी पत्तियों की कटाई कर 80-85 कुन्तल/हेक्टेयर तथा दाने की 12-15 कुन्तल/हेक्टेयर उपज लेकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

वाराणसी में गुलाबी ठंड का एहसास, ऊपरी सतह पर पछुआ हवाओं का दबाव बढ़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। पूर्वांचल में मौसम ने करवट लेना शुरू कर दिया है। वाराणसी जनपद में अक्टूबर के दूसरे सप्ताह के अंत तक आते-आते गुलाबी ठंड का एहसास होने लगा है। सुबह-शाम हल्की सिहरन, अलसुबह धुंध और वातावरण में नमी लोगों को ठंड के आगमन का संकेत दे रही है। बीते तीन-चार दिनों से आसमान साफ रहने के बावजूद दोपहर बाद हल्की बदली और पछुआ हवाओं के असर से मौसम में नमी महसूस की जा रही है। सोमवार को भी इसी तरह की स्थिति बनी रही। इस बदलाव के पीछे पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी और पछुआ हवाओं का असर बताया जा रहा है। सोमवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आद्रता 49 प्रतिशत रही। रविवार को अधिकतम तापमान 33.5 और न्यूनतम 21.6 डिग्री सेल्सियस था, जिससे साफ है कि तापमान में गिरावट का रुख बना हुआ है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव के अनुसार, बीते दो दिनों से ऊपरी सतह पर पछुआ हवाओं का दबाव बढ़ा है, जिससे मौसम में ठंडक बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि आगामी सप्ताह में तापमान में हल्की गिरावट और सुबह-शाम की सिहरन बनी रहने की संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के अनुसार, निचले क्षोभमंडल में सक्रिय पछुआ और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण मौसम शुष्क बना रहेगा। अधिकतम तापमान में फिलहाल किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है, लेकिन न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आ सकती है। स्थानीय लोगों को अब सुबह-शाम हल्के गर्म कपड़े पहनने की जरूरत महसूस हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि 17 अक्तूबर के बाद अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच का अंतर और कम होगा, जिससे सिहरन का प्रभाव और स्पष्ट रूप से महसूस किया जाएगा।

गड़ई नदी का सर्वे शुरू, किसानों में खुशी की लहर जलशक्ति मंत्री के निर्देश पर टीम ने संभाला मोर्चा

मीरजापुर। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के निर्देश पर सोमवार को बंधी खंड वाराणसी के सहायक अभियंता सुजीत पाल के नेतृत्व में टीम ने गड़ई नदी का सर्वे कार्य शुरू कर दिया। सर्वे शुरू होने की खबर से क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। गौरतलब है कि हाल ही में लगातार बाढ़ और तटबंध टूटने से 36 से अधिक गांवों की धान की फसल बर्बाद हो गई थी। किसानों ने मंडल अध्यक्ष धीरज सिंह के नेतृत्व में लखनऊ पहुंचकर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात कर नुकसान की जानकारी दी थी। किसानों और विधायक अनुराग सिंह के प्रयासों से मंत्री ने नदी की खुदाई और तटबंध को मजबूत कराने का आश्वासन दिया था। इसी क्रम में अब अवर अभियंता सुजीत पाल की टीम ने बहुआर गांव के पास गड़ई नदी के तटबंध पर सर्वे शुरू किया है। उन्होंने बताया कि बहुआर से चंदौली जनपद के पड़या गांव तक लगभग 25 किलोमीटर तक नदी की खुदाई और तटबंध सुदृढ़ीकरण कराया जाएगा, ताकि भविष्य में बाढ़ से किसानों की फसल सुरक्षित रह सके।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेलः noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

नगर पालिका कर्मचारी संघ ने 8 सूत्रीय मांगों को लेकर अधिशासी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। नगर पालिका कर्मचारी संघ के पदाधिकारी ने कर्मचारियों के साथ सोमवार को अपनी प्रमुख आठ मांगों को लेकर अधिशासी अधिकारी से मुलाकात की। मांगों में प्रमुख रूप से संविदा कर्मियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ, कर्मचारियों के मासिक वेतन का भुगतान और संगठन भवन की व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। नगर पालिका कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदलाल यादव ने बताया कि आज अधिशाषी अधिकारी से मुलाकात की गई है। उन्होंने मांग किया है कि राज्य वित्त आयोग की धनराशि का उपयोग सर्वप्रथम समस्त कर्मचारियों के मासिक वेतन और बकाया भुगतान के बाद ही अन्य मदों में खर्च किया जाए।

कर्मचारियों को पूर्व की भांति जाड़े की वर्दी उपलब्ध कराने की मांग भी की गई है, क्योंकि सर्दी का मौसम शुरू होने वाला है। संघ ने स्थायी कर्मचारियों की सर्विस बुक में नॉमिनी दर्ज करने का रुका हुआ कार्य अविलम्ब पूरा कराने का आग्रह किया है। साथ ही, सभी पालिका कर्मियों को ए.सी.पी. (एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन) का लाभ दिलाने की भी मांग की गई है, जो बार-बार कहने पर भी नहीं मिल रहा है। आउटसोर्सिंग कर्मियों के पीएफ (भविष्य निधि) के संबंध में भी गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। संघ का कहना है कि उनके खातों में पीएफ का पैसा अनियमित और कम-ज्यादा करके भेजा जाता है, और हर माह जमा नहीं होता। इसे नियमित रूप से उचित धनराशि के साथ समय पर जमा कराकर उसका हिसाब संघ को उपलब्ध कराएं। मृतक या नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों के पीएफ की जमा धनराशि उनके परिवार वालों को दिलाने की भी मांग की गई है। ठेकेदार शीघ्र अतिशीघ्र ही आउटसोर्स कर्मियों को हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराए। नगर पालिका कर्मचारी संगठन के भवन की मांग काफी समय से लम्बित है। इस पर अध्यक्ष द्वारा स्वीकृति भी दी जा चुकी है और यह समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हुआ था। इसके बावजूद, संगठन को अभी तक भवन की व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण संगठन के पदाधिकारी और कर्मचारी धूप में या पेड़ के नीचे बैठने को मजबूर हैं। संघ ने इस समस्या का शीघ्र निदान करने की मांग की है।

डीएम की हिदायत, संतुष्टि प्रतिशत बढ़ाते हुए पात्रों को दिलाएं योजनाओं का लाभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जूम मीटिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतों, प्रकरणों व संदर्भों का नियमित रूप से निरीक्षण और समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा संतुष्टि प्रतिशत 80 प्रतिशत से अधिक किया जाए ताकि जनपद की रैंकिंग उत्कृष्ट बनी रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी विभागीय अधिकारी की लापरवाही से संतुष्टि प्रतिशत कम पाया गया तो कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित लंबित आवेदनों की शीघ्र जांच कर पात्र लाभार्थियों को आवास का लाभ दिलाने के निर्देश दिए, ताकि जरूरतमंद परिवारों को शीघ्र राहत मिल सके और योजना की सार्थकता सिद्ध हो। बरसात के बाद ग्रामों में स्थित तालाबों और पोखरों की गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी ग्रामों में तालाबों की सफाई कराई जाए और दवा का छिड़काव कराया जाए, ताकि डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सके। इसके अलावा, विकासखंड औरैया एवं भाग्यनगर के बीएलओ द्वारा मतदाता सत्यापन कार्य की ऑनलाइन फीडिंग न किए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने उपजिलाधिकारी व तहसीलदार सदर को निर्देश दिए कि वे आज ही बीएलओ से फीडिंग का कार्य अपनी देखरेख में पूर्ण कराएं।

वरुणा पार क्षेत्र में कम वोल्टेज और विद्युत कटौती से मुक्ति के लिए फीडर की मरम्मत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी में वरुणा पार क्षेत्र में कम वोल्टेज और विद्युत कटौती से मुक्ति के लिए सोमवार को कोइलहवा उपकेंद्र के कार्मिकों ने उपकेंद्र में फीडर की मरम्मत एवं साफ सफाई का कार्य किया। कार्मिकों के साफ सफाई के कारण कुछ देर के लिए बिजली की कटौती की गई। जिसके बाद वरुणा पार क्षेत्र में आपूर्ति सामान्य कर दी गई। विद्युत कर्मी राजेश कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों की बीते दिनों कम वोल्टेज की शिकायत, रात्रि पहर विद्युत कटौती की शिकायत जैसी शिकायतें आई हैं। इसके बाद तारों की जांच करने पर कोई समस्या नहीं दिखी। अभी समस्याओं के निस्तारण के लिए फीडर की मरम्मत, साफ सफाई का कार्य किया गया है। ताकि बिना रोक-टोक के विद्युत आपूर्ति की जा सके। फीडर की निरंतर जांच होती रहेगी। कचहरी क्षेत्र निवासी जगदीश ने कहा कि शाम होने के बाद कई बार बिजली जाती थी। इसके बाद उन्होंने उपकेंद्र पर शिकायत की। अभी विद्युत विभाग की ओर से जानकारी मिली है कि इस समस्या का निस्तारण कर लिया गया है। अब उन्हें और मोहल्ले के लोगों को सुचारु रूप से विद्युत मिलेगी।

स्वयंसेवकों ने घोष और बैंड की धुन पर किया अनुशासन का प्रदर्शन

■ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने यमुनोत्री बस्ती, राजर्षि नगर भाग नैनी की ओर से सोमवार को विजयदशमी पर्व के अवसर पर भव्य पथ संचलन का आयोजन किया। नगर के सैकड़ों प्रशिक्षित स्वयंसेवक परम्परागत गणवेश में घोष और बैंड की धुन पर अनुशासित कदमताल करते हुए आगे बढ़े।

यह पथ संचलन मड़ौका रोड से प्रारम्भ होकर राष्ट्रीय रीवा राजमार्ग तक फैला दिखाई दिया। मार्ग में जगह-जगह पर स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इस दौरान वातावरण में देशभक्ति और उत्साह का विशेष संचार देखने को मिला। कार्यक्रम के बौद्धिक में सहभाग संघचालक दिनेश ने संघ परिवार की वर्तमान संकल्पनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समाज जीवन में संघ की भूमिका और उसकी दूरदर्शी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के युग में हर स्वयंसेवक को पंच परिवर्तन- स्वदेशी अपनाना, नागरिक कर्तव्यों का पालन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुटुम्ब प्रबोधन को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों के माध्यम से ही एक सशक्त, समरस और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में नगर कार्यवाह नीरज ने मार्गदर्शन प्रदान किया, जबकि नगर विस्तारक ऋषि ने स्वयंसेवकों को संघ के अनुशासन, एकता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीकात्मक स्वरूप प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संचालन के उपरांत बस्ती प्रमुख डॉ.मणि शंकर द्विवेदी ने सभी अतिथियों, स्वयंसेवकों और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संघ का यह पथ संचलन समाज में संगठन, अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना का सशक्त संदेश देता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणवेश में स्वयंसेवकों की उपस्थिति ने विजयदशमी पर्व को राष्ट्र समर्पण के भाव से ओत-प्रोत बना दिया। इस अवसर पर जेपी चौबे, प्रभात शुक्ल, एम पी सिंह, आर.पी. सिंह, विनय शुक्ल, डॉ मधुकराचार्य त्रिपाठी, कमल कुमार, हरनाम सिंह, दिनेश यादव आदि लोग शामिल रहे।